दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 107/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 20 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

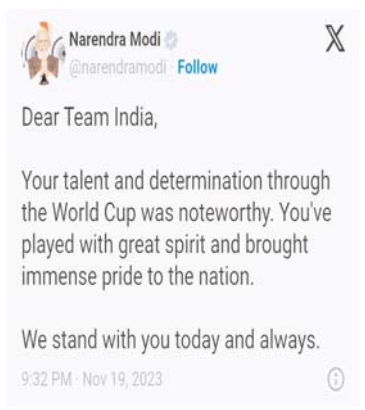

सांध्यप्रकाश विशेष

एक पाती सभी खिलाड़ियों के लिए

प्रत्येक व्यक्ति जिंदगी में खुद के
लिए हजारों बार लड़ता है कभी जीतता है तो कभी हार
जाता है पर जब वह जीतता है तो कुछ सीखता है
लेकिन जब हारता है तो बहुत कुछ सीखता है पर
लड़ता सिर्फ खुद के लिए ही है पर आप सब तो उन
140 करोड़ लोगों के लिए लड़ रहे थे जिन्हे आप
जानते भी नहीं फिर भी आपके आसुओं में आज हम
सब खुद को ढूंढ पाए है। हमें आप सभी पे गर्व है
हम सब आज कल और हमेशा आपके साथ
खड़े थे, खड़े है और खड़े रहेंगे ।

Best of luck...
Team India

पाली में प्रधानमंत्री की सभा

राजस्थान में महिला अत्याचार बढ़ा: मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान में चुनावी दौरा जारी है। प्रधानमंत्री पाली के जाडन में सभा को संबोधित कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि राजस्थान में महिला अत्याचार बढ़ा है और यहां के मुख्यमंत्री सर्टिफिकेट देते हैं कि वे फर्जी शिकायत दर्ज करवाती हैं। यह महिलाओं का अपमान है।

मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आपके मोबाइल का बिल भी कम कर दिया है। डेटा की 2014 से पहले की कीमत होती तो आज आप जितना डेटा खर्च कर रहे हैं तो आपको एक मोबाइल पर कम से कम 5 हजार रुपए अधिक खर्च करने पड़ते। एक परिवार में कम से कम 4 मोबाइल होते हैं, मोदी ने यह खर्चा बचाया है।

कांग्रेस ने राजस्थान को पीछे धकेल दिया

मोदी ने कहा- राजस्थान में कांग्रेस के लिए भ्रष्टाचार से बड़ा कुछ नहीं है। कांग्रेस के लिए परिवारवाद ही सब कुछ है। उसके पास तुष्टीकरण के अलावा कुछ नहीं है। दंगाईयों और आतंकियों के हौसले बुलंद हो गए। ऐसी विकृत वाली मानसिकता वाली कांग्रेस को अच्छे से सबक सिखाना जरूरी है। कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन की यह पहली हरकत नहीं है। सनातन को लेकर उन्होंने क्या-क्या कहा, यह सबने देखा है। कांग्रेस और उसके साथी सनातन को खत्म करने का ऐलान कर रहे हैं। सनातन को खत्म करने का मतलब है, राजस्थान की संस्कृति को खत्म करना।

कांग्रेस दलितों को निशाना बना रही

मोदी ने कहा- महिलाओं और दलितों को लेकर कांग्रेस और इनके गठबंधन के नेता कैसी-कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। बिहार के नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री अति पिछड़े दलित परिवार से आते हैं, इसलिए उनकी बेज्जति करने में उन्हें आनंद आता है। उन्होंने पाप किया, लेकिन कांग्रेस ने इसे गलत बताने का विवेक नहीं दिखाया। राजस्थान में दलित परिवारों पर अत्याचार पर कांग्रेस ने यही किया है।

बिल पास करने में देरी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नर ऑफिस और केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी 20 नवंबर को राज्यपालों के विधेयक अटकाने के मामले में सुनवाई हुई। बिल पर साइन न करने की शिकायत को लेकर केरल सरकार ने याचिका दायर की हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने केरल सरकार की याचिका को लेकर केरल गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

कोर्ट ने अटर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को एक नोटिस जारी करके कहा है कि वे या सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मामले की सुनवाई में कोर्ट की मदद करें।

केरल सरकार की तरफ से एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने याचिका में कहा था कि गवर्नर आरिफ राज्य सरकार के 8 बिलों को पास करने में देरी कर रहे हैं। शुक्रवार को कोर्ट केरल सरकार का पक्ष सुनेगा। केरल सरकार की तरह तमिलनाडु सरकार ने भी गवर्नर आरएन रवि पर बिल पास करने में देरी का आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। इस मामले में कोर्ट 1 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 नवंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल के विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को गंभीर चिंता का विषय बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने राजभवन पर 12 से अधिक कानूनों को दबाने का आरोप लगाने वाली राज्य सरकार की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी करते हुए इस मुद्दे को सुलझाने में अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से मदद मांगी थी।

आज छठ पूजा का आखिरी दिन है। चौथा दिन यानी सप्तमी तिथि छठ महापर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन महिलाओं ने प्रातः काल उगते सूर्य को जल दिया। इसी के साथ छठ पर्व का समापन किया।

मप्र के रिटायर्ड आईएएस ने सारी संपत्ति रामलला को अर्पित की

केंद्र सरकार में गृह सचिव रहे मध्य प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एस लक्ष्मीनारायणन ने अपनी जीवनभर की कमाई भगवान राम को अर्पित कर दी। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद वे मूर्ति के सामने 5 करोड़ से तैयार 151 किलो की स्वर्ण जड़ित रामचरितमानस स्थापित करवाएंगे। उन्हें राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अनुमति दी है।

महाकाव्य का 10,902 पदों वाला हर पन्ना तांबे का होगा, जिसे 24 कैरेट सोने में डुबोया जाएगा, फिर स्वर्ण जड़ित अक्षर लिखे जाएंगे। इसमें 140 किलो तांबा और 5 से 7 किलो सोना लगेगा। इसके अलावा सजावट के लिए रामचरित मानस पर अन्य धातुओं का भी इस्तेमाल होगा। तांबे पर लिखी और सोने की परत वाली इस पुस्तक के लिए नारायणन ने अपनी सारी संपत्ति बेचने और बैंक खातों को खाली करने का फैसला किया। इस रामचरित मानस को रामलला के चरणों के पास रखा जाएगा। पिछले दिनों ये रिटायर्ड आईएएस अधिकारी पत्नी के साथ अयोध्या गए थे। वहां उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से इस बारे में बातचीत करके अपनी मंशा बताई। उन्हें इस रामचरित मानस बनाने की अनुमति भी मिल गई।

सेंगोल बनाने वाली कंपनी ही रामचरित मानस बनाएगी- जिस तरह की रामचरित मानस की रिटायर्ड केंद्रीय गृह सचिव एस लक्ष्मीनारायणन ने परिकल्पना की, उसे 'वुम्मिदी बंगारू ज्वैलर्स' तैयार कर रहा है। इसी ज्वैलरी कंपनी ने नए संसद भवन में स्थापित सेंगोल (राजदंड) बनाया है। कंपनी ने स्वर्ण जड़ित रामचरित मानस का डिजाइन तैयार करने का काम शुरू कर दिया, जिसके निर्माण में तीन महीने का समय लगेगा।

मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी रहे- वे 1970 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। कई कंपनियों के चेयरमैन की भूमिका में भी रहे हैं। उनका पैतृक निवास चेन्नई शहर में है। उनका जन्म दिल्ली में हुआ और अभी भी वे दिल्ली में ही रह रहे हैं। उनकी पत्नी सरस्वती गृहिणी है। उनकी एक ही बेटी प्रियदर्शिनी है जो अमेरिका में है। उनके पिता सुब्रमण्यम केंद्र सरकार में सचिव रहे और मां लक्ष्मी भी गृहिणी थी।

मनौती के कारण यह नाम रखा गया- एस लक्ष्मीनारायणन ने बताया कि उनके घर के सभी सदस्यों की ईश्वर में अगाध आस्था है। संयोग से पत्नी भी सरस्वती सरीखी मिलीं। उनकी मां लक्ष्मी की एक मनौती की वजह से ही उनका नाम लक्ष्मीनारायणन रखा गया। जब उनकी मां गर्भवती थी, तब उन्होंने दिल्ली के बिरला मंदिर में प्रार्थना की थी कि यदि बेटा हुआ तो उसका लक्ष्मीनारायण नाम रखेंगी। उनकी मन्नत पूरी हुई तो मेरा नाम लक्ष्मीनारायणन रख दिया गया।

ईश्वर का दिया उन्हें ही वापस- एस लक्ष्मी नारायणन का अपनी इस इच्छा के बारे में कहना है कि ईश्वर ने मुझे जीवन भर बहुत कुछ दिया। कई बड़े पदों पर रहा। ईश्वर की कृपा से मेरा पूरा जीवन अच्छा चला। रिटायर होने के बाद भी अच्छा पैसा मिल रहा है। मैं दाल-रोटी खाने वाला इंसान हूं, मेरी तो पेंशन ही खर्च नहीं होती। जो कर रहा हूँ, वो ईश्वर का दिया हुआ ही उन्हें वापस कर रहा हूं। दान के नाम पर धन की लूट-खसोट से बेहतर है कि प्रभु के चरणों में उनकी पुस्तक अर्पित कर दूं।

दिल्ली एलजी का चीफ सेक्रेटरी को हटाने से इनकार

नई दिल्ली। द्वारका एक्सप्रेस-वे में हुए कथित घोटाले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को हटाने की सिफारिश की थी। इस पर एलजी विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को विचार करने से इनकार कर दिया।

केजरीवाल ने 15 नवंबर को एलजी विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखकर कुमार पर 897 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। 19 नवंबर को एलजी सक्सेना ने इस रिपोर्ट को पुरानी धारणाओं और अनुमानों पर आधारित बताते हुए इस पर विचार करने से मना कर दिया। दरअसल, दिल्ली में बने द्वारका एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं की शिकायत पर दिल्ली की विजिलेंस मिनिस्टर आतिशी ने जांच करवाई थी। आतिशी ने बताया कि नरेश कुमार ने अपने बेटे से जुड़ी कंपनियों को 897 करोड़ का फायदा पहुंचाया है।

भाजपा ने झूठे प्रकरण के संबंध में ज्ञापन सौंपा

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के प्रतिनिधि मंडल के साथ सोमवार को छतरपुर में जिला कलेक्टर एवं एसपी कार्यालय पहुंचकर राजनगर विधानसभा क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना को कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा राजनीतिक रूप देकर भाजपा प्रत्याशी व कार्यकर्ताओं पर दर्ज कराएं गए झूठे प्रकरण के संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश शासन के मंत्री विजेन्द्र प्रताप सिंह, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष ललीता यादव, पार्टी के प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाहा, पार्टी के जिला अध्यक्ष मलखान सिंह, विधायक राजेश शुक्ला एवं अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

जितने वोटर नहीं, उससे ज्यादा डाले गए वोट

भोपाल। एमपी गजब है, क्योंकि यहां अजब-गजब चीजें होती हैं। ऐसी ही गजब चीज मध्यप्रदेश चुनाव में हो गई है। मुरैना के कुछ बूथों जितने नाम वोटर लिस्ट में नहीं थे, उससे ज्यादा वोट डाले गए। इसके बाद से चुनाव आयोग के अधिकारी हैरत में हैं।

बूथ नंबर-162 पर 114.81 प्रतिशत पुरुष वोटिंगः मुरैना के पोलिंग बूथ क्रमांक 162 पर पुरुषों का मतदान 114.81 प्रतिशत हुआ। इस बूथ में 655 पुरुष वोटर्स थे, लेकिन 752 वोट डाले गए। जिला मुख्यालय पर ही 97 वोट ज्यादा डाले गए। बूथ नंबर-275 पर 133.06 प्रतिशत पुरुष वोटिंगः बूथ नंबर-275 पर 133.06 प्रतिशत प्रतिशत पुरुष वोटिंग हुई। वोटिंग लिस्ट मे 242 पुरुष वोटर्स थे, लेकिन 322 वोट डाले गए।

बूथ नंबर-276 पर 114.58 प्रतिशत पुरुष वोटिंगः परीक्षा गांव के ही बूथ नंबर-276 पर पुरुष मतदान 114.58 प्रतिशत प्रतिशत हुआ। यहां 391 पुरुष मतदाता थे, लेकिन वोट 448 डाले गए।

31 दिसंबर से गूगल पे, फोन पे और पेटीएम से ऑनलाइन पेमेंट पर रोक!

नई दिल्ली। गूगल पे, फोन पे और पेटीएम के यूजर्स को उनकी यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका कारण यह है कि यूपीआई आईडी का इस्तेमाल न करने के कारण यूजर सिक्योरिटी परेशानियां बढ़ सकती हैं। यह निर्देश एनपीसीआई द्वारा जारी किया गया है। यह एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है और भारत के पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम को संचालित करता है। यह निर्णय यूपीआई आईडी के फ्रॉड के खतरे को कम करने का हिस्सा है।

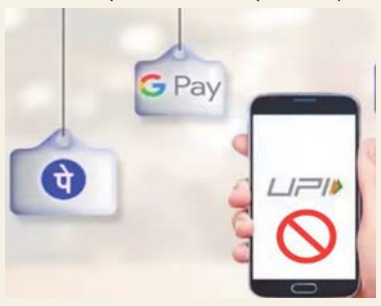

गूगल पे, फोन पे और पेटीएम यूजर्स की दिक्कतें बढ़ सकती हैं, क्योंकि कई यूजर्स की यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर से बंद किया जा सकता है। दरअसल इस मामले में नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई की तरफ से गूगल पे, पेटीएम और फोन पे को एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें एनपीसीआई की तरफ से थर्ड पार्टी ऐप्स जैसे गूगल पे, फोन पे और पेटीएम को उन यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर 2023 से बंद करने का निर्देश दिया गया है, जो एक साल से एक्टिवेट नहीं है। मतलब अगर आपने एक साल से अपनी किसी यूपीआई आईडी से लेनदेन नहीं किया है, तो उसे 31 दिसंबर 2023 के बाद बंद कर दिया जाएगा।

नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो भारत का रिटेल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम है। यानी फोनपे, गूगल पे और पेटीएम जैसे ऐप्स इसी के दिशा निर्देशों पर काम करते हैं। साथ ही किसी तरह के विवाद की स्थिति में भी एनपीसीआई अपनी मध्यस्थता निभाता है।

एनपीसीआई का नियमः एनपीसीआई के सर्कुलर की मानें, तो 1 साल से इस्तेमाल ना की जाने वाली यूपीआई आईडी को बंद करने की वजह यूजर सिक्योरिटी है। दरअसल कई बार यूजर्स बिना अपने पुराने नंबर को डीलिंक करके नई आईड बना लेता है, जो फ्रॉड की वजह बन सकती है। ऐसे में एनपीसीआई की तरफ से पुरानी आईडी को बंद करने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेशः वही संभावना है कि आपके पुराने नंबर को किसी नए यूजर को इश्यू कर दिया जाए। जैसा सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, तो उस स्थिति में फ्रॉड की संभावना बनती हैं। इन्ही सारी वजहों से पुरानी आईडी को बंद करने का निर्णय लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया निर्णय में कहा है कि टेलिकॉम प्रोवाइडर कंपनियां 90 दिनों से डिएक्टिवेटेड नंबर को बंद कर सकती हैं। साथ ही वो नंबर किसी दूसरे को ट्रांसफर कर सकती हैं।

विशाखापत्तनम में बंदरगाह में लगी भीषण आग, 40 से ज्यादा नावें जलकर खाक

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्थित एक बंदरगाह में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। यह आग कितनी घातक थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आग की चपेट में आकर पानी में खड़ी 30 नावें पूरी तरह खाक हो गई। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह आग देर रात ही लगी थी और पुलिस-दमकल की टीम मौके पर ही पहुंच गई थीं। आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस मामले में एक केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सेबी के पास पड़े सहारा के पैसों पर सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सरकार कथित तौर पर सहारा-सेबी रिफंड खाते में पड़े बिना दावे की राशि को सरकार की संचित निधि में स्थानांतरित करने की वैधता पर विचार कर रही है। हालांकि इसमें उन निवेशकों के लिए प्रावधान किए की उम्मीद है जो भविष्य में दावे करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस फैसले पर समूह के संस्थापक सुब्रत रॉय के पिछले सप्ताह निधन के बाद विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सहारा रिफंड खाता बनने के बाद पिछले 11 वर्षों में गिने-चुने ही दावेदार ही सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि निवेशकों को धन लौटाने के लिए इस राशि को एक अलग खाते के साथ भारत की संचित निधि में बदलने का विकल्प तलाशा जाएगा। यदि दिए गए ब्योरे के सत्यापन के बाद सेबी सभी या किसी भी ग्राहक के ठिकाने का पता लगाने में असमर्थ रहता है तो ऐसे अंशधारकों से एकत्र की गई राशि को सरकार को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सहारा की राशि का उपयोग लोक कल्याण कार्यक्रमों में होने की उम्मीद

रिपोर्ट में कहा गया है कि धन का उपयोग गरीबों की मदद के लिए चल रहे कार्यक्रमों या लोक कल्याण के लिए किए जाने की उम्मीद है। 31 मार्च तक समूह से वसूली गई और सरकारी बैंकों में जमा की गई कुल राशि 25,163 करोड़ रुपये थी, जबकि 48,326 खातों से जुड़े 17,526 आवेदनों के बदले 138 करोड़ रुपये का भुगतान निवेशकों को किया जा चुका है।

भोजपुरी समाज ने विसर्जन घाट पर 151 दीपों का दान कर मनाया छठ पर्व

बैरागढ़ झूलेलाल विसर्जन घाट और बैरागढ़ कलां में सूर्य देव को दिया अर्घ्य

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर के झूलेलाल विसर्जन घाट पर भोजपूरी समाज द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई। सुख, समृद्धि, नशामुक्ति, स्वच्छता एवं पर्यावरण के लिए 151 दीपो का दान भी किया गया।

यह आयोजन हर साल भोजपुरी संस्था द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्रा, प्रेम नारायण नगर, भानु वर्मा, राकेश कुमार, अनिल मिश्रा सहित कई लोग भी उपस्थित थे। छठ पूजा को लेकर भोजपुरी महिलाओं ने निर्जला वृत रखाकर घाट पर विशेष पूजा अर्चना की। दिनेश मिश्रा ने बताया कि यह छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को पहला अर्घ डूबते हुए सूर्य देव को अर्घ प्रदान करती है और सुबह 4 बजे भौर में सूर्य देव को जल्दी उदित होने के लिए प्रार्थना करती है और दूसरा अर्घ गाय के दूध से देती है। इसके बाद महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर लगाकर प्रसाद वितरण कर बधाई देती है। यह पर्व खास तौर से पूर्वांणचल की परंपरा अनुसार चार दिवसीय होता है। इसका आयोजन कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को पूरे घर की विशेष रुप से साफ सफाई कर छठ व्रत महिलाएं नहाये खाये के साथ व्रत प्रारंभ होता है।

धूमधाम से मनाया गया छठ पर्व: बैरागढ़ कलां में भी छठ पर्व पूजन का आयोजन किया गया। यहां पर बड़ी संख्या में भोजपुरी समाज के लोगों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। समाज के लोगों ने कहा कि यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है. इस दिन महिलाएं संतान की दीर्घायु, सौभाग्य और खुशहाल जीवन के लिए 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं चार दिनों तक चलने वाले छठ की शुरुआत 17 नवंबर को नहाय खाय के साथ प्रारंभ किया गया।

छठ महापर्व कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक रामेश्वर शर्मा

भोपाल। सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा हुजूर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विधायक रामेश्वर शर्मा छठ महापर्व में सम्मिलित हुए एवं छठ माई के लिए व्रत रखने वाले सभी श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जीनगर समाज दीपावली मिलन समारोह मैं समाजसेवियों का सम्मान किया।

कोच फैक्ट्री करारिया फार्म छठ घाट पर मनाया उत्सव

भोपाल। कोच फैक्ट्री करारिया फार्म छठ घाट पर भाव छट उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस मौके पर अशोक सिंह ने बताया कि काफी अच्छी व्यवस्थाओं के साथ विगत कई सालों से इस घाट पर पूजा अर्चना की जाती है 3 दिन का कार्यक्रम रहता है जिसमें महिलाओं को चेंजिंग रूप और चाय की व्यवस्था समिति द्वारा की जाती है विगत कई वर्षों से समिति यहां के भोजपुरी समाज के लिए हमेशा तत्पर खड़ी रहती है आगे भी हमारा प्रयास है कि और अच्छी व्यवस्थाएं हम करेंगे अभी हमारे पास एक कुंड है आगे चलकर कुंड भी बढ़ाएंगे हम और आज उत्सव का माहौल है जिसमें सभी भोजपुरी समाज के लोग इस पूजा पाठ में भाग ले रहे हैं और हमारा सबको यही संदेश है कि छठ पूजा की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

आत्म प्रबंधन को आधारभूत सिद्धांत जीवन में अपनाएं: जीवी

भोपाल। मैनेजमेंट एसोसिएशन और आई. एस.टी. सी एवम रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा भारती विद्या भवन एम पी नगर में ब्रम्हाकुआरी फैकल्टी विद्वान जी. वी गिरिश ने स्वयं के प्रबंधन के आधार भूत सिद्धांत बताए उन्होंने कहा कि मस्तिष्क का नियंत्रण ही आत्म प्रबन्धन है बिना कोई बात समझे निर्णायक ना बने संयम रखना अच्छे प्रबंधन का प्रतीक है समस्या को समझे बिना हाल करना मुश्किल होता है दैनिक गतिविधियों को सुवावस्थित बनाएंगे तो शरीर भी स्वस्थ रहेगा। आत्म प्रबंधन के गुर भी बताएं कार्यक्रम के प्रारंभ में बीएमएस अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और बीएमए की गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन मानद सचिव डॉ आदित्य गुप्ता ने किया। मुख्य वक्ता गिरिश स्मृति चिन्ह जी.के छिब्बर अक्षत शर्मा ने प्रदान किए आभार प्रदर्शन आई टी सी के अध्यक्ष आर जी दिवेदी ने कियाइस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के सदस्य स्वदेश समूह के प्रबन्ध संपादक अक्षत शर्मा सलिल चटर्जी भारतीय विद्या भवन संचालक भी उपस्थित थे

यूथ क्लब ने मनाया विश्व टॉयलेट दिवस

भोपाल । यूथ एंगेजमेंट फॉर सिविक एक्शन प्रोजेक्ट फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा रविवार को यूथ क्लब के सहयोग से विश्व टॉयलेट दिवस मनाया जिसमें यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा लोगों को खुले में शौच नही करना, टॉयलेट का उपयोग करना, स्वच्छता आदि को शपथ दिलाई। जागरूकता के लिए आयोजित गतिविधि के दौरान लोगो को घरों के अंदर शौचालय के उपयोग एवं महत्व के बारे में बताया साथ ही कहा कि आप खुद शौचालय का उपयोग करे एवं अपने पड़ोस के लोगो को भी शौचालय के उपयोग के लिये बताए। इस दौरान वॉलंटियर ने चार्ट पेपर के माध्यम से चित्र बनाकर एवम जमीन पर आकृति बनाकर शौचालय के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। यह गतिविधियां टैगोर वार्ड गांधी नगर, इंदिरा नगर, कोलुआ, सेमरा, दामखेड़ा, 6 नंबर, महादेव बस्ती आदि में की गई।

दीपावली मन के अंधकार को मिटा जग को प्रकाशमय बनाने का त्यौहार है: ढालिया

भोपाल। जीनगर समाज भवन में जीनगर सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गोवर्धन आसेरी,बजरंग लाल चौहान और प्रेम पंवार के मार्गदर्शन में हर्ष उल्लास के साथ दीपावली मिलन मैं मां लक्ष्मी और इष्ट देव को नमन कर शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के अध्यक्ष अशोक सांकले ने समाज के संत जनों और शहीद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात समाज की प्रतिभाओं द्वारा हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच पूर्व समाज अध्यक्ष भगवानदास ढालिया ने मन के अंधकार को मिटाकर राष्ट्र और समाज हित में सदकार्य करने का आहवान किया इस अवसर पर समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी ललित जैन, प्रमोद नेमा, चेतन भार्गव, पंकज चौकसे मुकेश मेर का सम्मान भी किया इस अवसर पर घनश्याम पवार देवेंद्र चैहान, मुरली डाबी, रमेश पंवार, संपत निर्वाण, बलदेव डाबी, राजेश आसेरी, सुरेश पवार, राजेश बायड, मनोहर पवार, पवन चोहान, मुकेश बोराना, राजकुमार सांखला, पवन डाबी, शुभम चोहान, मनोज सांखला, मुकेश पंवार आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने राजनगर विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना को लेकर चुनाव आयोग से की शिकायत

भाजपा ने निर्वाचन आयोग एवं पुलिस महानिदेशक को छतरपुर एसपी व स्थानीय प्रशासन के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले हुई घटना को लेकर चुनाव आयोग एवं पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने राजनगर में भाजपा के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज करने और आचार संहिता के दौरान बिना अनुमित के कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा धरना पदर्शन करने पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। भाजपा प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, निर्वाचन विभाग के प्रदेश संयोजक एस.एस. उप्पल, विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा एवं एडव्होकेट सुनील गुप्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसी मानसिकता के अधिकारी हैं थाना प्रभारी व एसपी: ज्ञापन में कहा गया है कि खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी कांग्रेसी मानसिकता के होने के कारण कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के प्रभाव में आकर उनको राजनीतिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र में शामिल होकर झूठा प्रकरण दर्ज किया है।

कांग्रेस प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने राजनीतिक लाभ लेने सलमान पर चढ़ाई कार: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि घटना स्थल पर विक्रम सिंह नातीराजा और उनके ड्राइवर सलमान खान द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के समय सलमान द्वारा बंदूक से फायर किया गया था। सलमान एवं उसके साथी गाड़ी के ऊपर चढकर मारपीट कर रहे थे, गाड़ियों के कांच फोड़े गये एवं बंदूक, लाठी-डंडां के साथ धारदार हथियारों से हमला किया गया। विक्रम सिंह नातीराजा, उनके ड्राइवर सलमान व उनके समर्थकों की लापरवाही एवं उत्तेजना पूर्वक कार्य से उक्त घटना घटित हुई है। इसके बाद विक्रम सिंह नातीराजा द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर सलमान के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, ताकि घटना को राजनीतिक रंग दिया जा सके, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं।

शव पर राजनीति कर रहे दिग्विजय सिंह: पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता आचार संहिता के बावजूद आखिर किसकी अनुमति से धरना प्रदर्शन खजुराहो थाने के सामने धरना दे रहे है। शव पर राजनीति की जा रही है। कमनलाथ और दिग्विजय सिंह को पता चल गया है कि वो चुनाव हार रहे हैं। उसकी खीझ के लिए दोनों मिलकर इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपना रहे है। शर्मा ने कहा कि आचार संहिता के दौरान जो बिना अनुमति के धरना दे रहे हैं उन पर और जिन्होंने अनुमित दी है, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

20 पार्टी कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज किया: प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं के दबाव में भारतीय जनता पार्टी के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 पर बिना जांच के हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। यह देश का ऐसा पहला मामला है, जहां दुर्घटना पर बिना जांच के 35 लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भेदभाव पूर्ण का रवैया अपनाकर झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले की जांच होनी चाहिए और अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि मैं घटना पर संवेदना व्यक्त करता हूं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं पर प्राण घातक हमला किया गया। उनके ड्राइवर की मौत पर आशंका है कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए नातीराजा के गुंडों ने ही ड्राइवर की अपनी गाड़ी से कुचल करके हत्या कर दी इसकी कड़ी जांच होनी चाहिए।

भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर न जांच, न एफआईआर: पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कार पर चढ़कर तोड़फोड़ कर मारपीट की। हमले में भाजपा कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं, लेकिन खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे ने भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी की शिकायत पर न तो घायल कार्यकर्ताओं का मेडिकल कराया और न ही कोई प्रकरण दर्ज किया। भाजपा कार्यकर्ताओं की टूटी-फूटी गाड़ियों का कोई तकनीकी परीक्षण भी नहीं करवाया गया। खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी की प्रशासनिक बदनीयती के साथ कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों के विरुद्ध बिना किसी जांच के अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया, इससे स्पष्ट दिखाता है थाना प्रभारी खजुराहो कांग्रेस के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

मतदान के बाद मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने परिवार के साथ बिताया समय

सागर। विधानसभा चुनाव में लगातार तीन-चार माह से सामाजिक सम्मेलन, जनसंपर्क और चुनावी सभाओं तथा मतदान के बाद मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शनिवार का दिन अपने परिवार के साथ बिताया। चुनावी भागदौड़ के करना जल्दी उठने वाले मंत्री गोविंद सिंह शनिवार सुबह आराम से उठे। सुबह की चाय और नाश्ता के बाद उन्होंने फोन पर प्रमुख कार्यकर्ताओंङ्कपदाधिकारियों से चर्चा करते हुए चुनावी समीक्षा की। पूजन के बाद एक साथ पूरा राजपूत परिवार एक साथ नजर आया। इस दौरान खाना खाते हुए सभी विषयों पर चर्चा होती रही। मंत्री राजपूत अपनी पोती को दुलार करते हुए नजर आए। पोती ने भी दादू से ढेर सारी बातें की। मंत्री राजपूत ने क्षेत्रवासियों तथा भाजपा कार्यकर्ताओंङ्कपदाधिकारियों को शांतिपूर्ण मतदान होने पर आभार जताते हुए उन्हें बधाइयां और शुभकामनाएं दी।

भिंड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71-किशुपुरा नंबर-3 में पुनर्मतदान के आदेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अमिट स्याही बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में लगायी जाएगी

भारत निर्वाचन आयोग ने भिंड जिले के 09-अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71-किशुपुरा नंबर-3 में 21 नवम्बर (मंगलवार) को पुनर्मतदान के आदेश दिए हैं।

पुनर्मतदान 21 नवम्बर (मंगलवार) को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 21 नवम्बर को मॉकपोल सुबह 5ः30 बजे प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान दल सामग्री सहित 20 नवम्बर को रवाना होंगे। पुनर्मतदान में अमिट स्याही मतदाताओं के बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में लगायी जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड को पुनर्मतदान कराने के पूर्व मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को विधिवत् प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए हैं। पुनर्मतदान की सूचना समस्त अभ्यर्थियों एवं राजनीतिक दलों को अनिवार्य रूप से देने एवं मतदान केंद्र के क्षेत्र में डोंडी (मुनादी) पिटवाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी भारत निर्वाचन आयोग ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड और रिटर्निंग आफिसर 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र को दिए हैं।

एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य सेवा में एम्स की शानदार उपलब्धि

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का इरादा पूरे देश में एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की नींव तैयार करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने एबीडीएम-संबद्ध प्रतिष्ठानों में एक क्यूआर कोड-आधारित समाधान लागू किया है। यह तकनीक मरीजों को सुविधा के क्यूआर कोड को स्कैन करने और उनकी जनसांख्यिकीय जानकारी और मेडिकल रिकॉर्ड का आदान-प्रदान करने की अनुमति देती है, जिससे लंबी कतारें और गलत प्रविष्टियों की संभावना कम हो जाती है।

एम्स भोपाल ने भी एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली बनाने के लिए सरकार के साथ एक अभियान शुरू किया है और इसी उद्देश्य से काम कर रहा है, जो कई स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और स्थानों पर चिकित्सा जानकारी तक आसान पहुंच की अनुमति देगा।एम्स भोपाल स्कैन-एंड-शेयर सेवाओं को प्राथमिकता देकर और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए साझेदारी करके रोगी देखभाल में सुधार, प्रतीक्षा समय को कम करने और स्वास्थ्य देखभाल संचालन को सुव्यवस्थित करने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। वे मरीजों से आसान ओपीडी पंजीकरण, लाइनों को छोड़ने और एबीएचए के माध्यम से स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटलीकरण में सहायता के लिए एबीडीएम-सक्षम व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) ऐप्स का उपयोग करने का आग्रह करते हैं।

एम्स भोपाल के समर्पित प्रयासों के माध्यम से, हमारे सीईओ और निदेशक, प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने डिजिटलीकरण और स्वास्थ्य रिकॉर्ड को उनके स्वास्थ्य आईडी के साथ जोड़ने में सभी एम्स के बीच अग्रणी स्थान और स्कैन में तीसरा स्थान हासिल किया है। एबीडीएम डैशबोर्ड के नवीनतम अपडेट में दर्शाए अनुसार साझा करें।

यूथ क्लब ने मनाया विश्व टॉयलेट दिवस, ली स्वच्छता की शपथ

भोपाल। यूथ एंगेजमेंट फॉर सिविक एक्शन प्रोजेक्ट फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा रविवार को यूथ क्लब के सहयोग से विश्व टॉयलेट दिवस मनाया जिसमें यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा लोगों को खुले में शौच नही करना, टॉयलेट का उपयोग करना, स्वच्छता आदि को शपथ दिलाई। जागरूकता के लिए आयोजित गतिविधि के दौरान लोगो को घरों के अंदर शौचालय के उपयोग एवं महत्व के बारे में बताया साथ ही कहा कि आप खुद शौचालय का उपयोग करे एवं अपने पड़ोस के लोगो को भी शौचालय के उपयोग के लिये बताए। इस दौरान वॉलंटियर ने चार्ट पेपर के माध्यम से चित्र बनाकर एवम जमीन पर आकृति बनाकर शौचालय के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। यह गतिविधियां टैगोर वार्ड गांधी नगर, इंदिरा नगर, कोलुआ, सेमरा, दामखेड़ा, 6 नंबर, महादेव बस्ती आदि में की गई।

वीरांगना लक्ष्मीबाई की जयन्ती मनाई

भोपाल। भारतीय आजादी के प्रथम स्त्रंगाम 1857 की महा नायिका वीरांगना लक्ष्मी बाई की जयन्ती अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद की विभिन्न इकाइयों ने विविध स्थलों पर सोत्साह, विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई। भोपाल मुख्यालय में हेमन्त तैलंग के संचालन व डॉ. कैलाष मड़बैया की अध्यक्षता में विमर्ष और आषा श्रीवास्तव के गीतों के साथ स्मरांणाजंलि समर्पित की गई। झॉंसी में कवि प्रताप दुबे आदि ने प्रतिमा के समक्ष दीपोत्सव पूर्वक जयन्ती मनाई। वीरांगना के बाल्य स्थल बिठूर के नाना जी पार्क में रमा षुक्ला राखी के संयोजन में मीरा षषि, कान्ता वंषल, आदि के गीतों संग सम्पन्न की गई। दिल्ली में आदीष जैन के संयोजन में नोयडा में बुन्देली कवि सम्मेलन विकास संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। छतरपुर,टीकमगढ़ और बानपुर आदि में भी जयंती सम्पन्न हुई ।

भारतीय संस्कृति के सभी पर्व योग की शिक्षा के साथ: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने छठ पर्व के अवसर पर सभी योग साधकों को शुभकामनायें देते हुए बताया कि छठ पर्व पर सूर्य देव को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की जाती है। इस चार दिवसीय छठ पर्व को सूर्य षष्ठी व्रत के नाम से भी देशभर में मनाया जाता है। सूर्य का आभार व्यक्त करने के लिए प्राचीन काल से लोग सूर्य पूजा करते आ रहे हैं। वेदों में भी सूर्य को सबसे प्रमुख देवता के रूप में मान्यता प्राप्त है। पष्ठी देवी को ब्रह्मा की मानसपुत्री भी कहा गया है, जो नि:संतानों को संतान देती हैं और सभी संतानों की रक्षा करती हैं। ज्योतिषीय गणना पर आधारित होने के कारण इसका नाम छठ पर्व ही रखा गया है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि छठ महापर्व की चार दिवसीय पूजा विधि छठ चार दिवसीय उत्सव है। इसकी शुरुआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी को होती है। पहला दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी %नहाय %खाय% के रूप में मनाया जाता है। लोहंडा और खरना दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रतधारी उपवास रखने के बाद शाम को %भोजन करते हैं। इसे %खरना% कहते हैं। सायंकालिक अर्ध्या- तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को दिन में छठ प्रसाद के रूप में ठेकुआ या टिकरी के अलावा चावल के लड्डू चढ़ावा के रूप में लाया गया सांचा और फल भी छठ प्रसाद के रूप में शामिल होता है। शाम को अर्घ्य का सूप सजाया जाता है और नदी किनारे अर्घ्य दान संपन्न करते हैं।

विश्व धरोहर सप्ताह: ऐतिहासिक और पर्यावरणीय महत्व को लेकर किया जाएगा जागरूक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर मंच पर क्षेत्रीय निदेशक (मध्य अंचल), डॉ. भुवन विक्रम, भोपाल मण्डल के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ.मनोज कुमार कुर्मी , प्रो.शीतल शर्मा , डीन और प्रोफेसर वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय, कमलापति पैलेस में उपस्थित रहे। देवाशीष त्रिपाठी, डीआरएम भोपाल, डॉ. शीतल शर्मा, डीन और प्रोफेसर वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय, डॉ. भुवन विक्रम, क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. मनोज कुमार कुर्मी, अधीक्षण पुरातत्वविद् एएसआई, डॉ. सुश्री विक्रम सहायक अधीक्षक, एएसआई भोपाल सर्कल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल मंडल भोपाल 19 नवंबर से 25 नवंबर तक विश्व विरासत सप्ताह का आयोजन कर रहा है, जिसमें छात्रों, शिक्षाविदों, इतिहासकारों, भूवैज्ञानिकों के बीच मध्य प्रदेश के किलों, संस्कृति, विरासत, सामाजिक, ऐतिहासिक और पर्यावरणीय महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी। , जलविज्ञानी आदि। इस सप्ताह में निम्नलिखित कार्यक्रम शामिल हैं। 19 नवंबर को कमलापति पैलेस भोपाल में मध्य भारत के दुर्ग विषय पर प्रदर्शनी होगी,

20 नवंबर को भोपाल। रायसेन किले पर वॉक, रायसेन, 21 नवंबर को ग्वालियर किला प्रदर्शनी, 22 नवंबर को चंदेरी किले पर वॉक, चंदेरी जिला, 23 नवंबर को उदयगिरि गुफाओं पर विरासत जागरूकता कार्यक्रम, विदिशा, 24 नवंबर को रॉयल पैलेस मांडू, धार जिले में हेरिटेज वॉक और जागरूकता और अंत में 25 नवंबर को प्रदर्शनी मध्य भारत के किले साँची स्तूप, रायसेन जिले पर हैं। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण हमारे भारत की सांस्कृतिक विरासतों के पुरातत्वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिए एक प्रमुख संगठन है द्य इस विभाग की स्थापना 1861 मे हुई थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों सजा रखरखाव करना है द्य इसके अतिरिक्त, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार यह देश में सभी पुरातत्वीय गतिविधियो को विनियमित करता है द्य यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 को भी विनियमित करता है । राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों के रखरखाव के लिए सम्पूर्ण देश को मंडलों में विभाजित किया गया है द्य संगठन के पास मंडलों, संग्रहालयो, उत्खनन शाखाओ,प्रागैतिहासिक शाखा, पुरालेख शाखाओ,विज्ञान शाखा,उद्यान शाखा, भवन सर्वेक्षण परियोजना, मंदिर सर्वेक्षण परियोजनाओ तथा अंतरजलीय पुरातत्व स्कन्ध के माध्यम से पुरातत्वीय अनुसंधान परियोजनाओ के संचालन के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पुरातत्वविदों, संरक्षकों, पुरालेखविदो, वास्तुकारों तथा वैज्ञानिको का कार्य दल है ।

इसी क्रम में अपने गौरवशाली अतीत तथा उसकी साक्षी रही प्राचीन धराहरो के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण प्रतिवर्ष 19 से 25 नवम्बर का यह सप्ताह विश्व धरोहर सप्ताह के रूप में मनाता है वस्तुत = विश्व धरोहर धरोहर सप्ताह यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया था और इसी कारण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दवारा इसे पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है, यूनेस्को द्वारा पूरे भारत में 42 सांस्कृतिक स्थल,7 प्राकृतिक एवं 1 मिश्रित स्थल को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है जिनमे मध्य प्रदेश में बौद्ध स्मारक साँची, भीम बेटिका के चित्रित शैलाश्रय, एवं खजुराओ के मंदिर शामिल है।

स म्पा द की य

आसमां और भी हैं...

आसमां और भी हैं
इम्तहां और भी हैं
एक फूल मुरझा गया तो क्या
बागवां और भी हैं...

पता है लगातार दस जीत के बाद हमने एक-दूसरे की आँखों में जो उम्मीदें बोई थीं, फाइनल की हार के साथ दिल के अरमां आंसुओं में बह गए। एक दृश्य यह भी था, रविवार दोपहर नीले आसमान में सूर्यकिरण की गड़गड़ाहट थी और नीचे स्टेडियम में नीला जन समुद्र उम्मीदों से गुंजायमान था। मैच शुरू होने के बाद जब रोहित कंगारुओं को कूट रहे थे, समुद्र की लहरें किनारा पार कर रही थीं। लेकिन पहले गिल और बाद में जब रोहित पवेलियन लौटे, समुद्र भी शांत हो गया। उम्मीदों की लहरें थम सी गईं। हॉफ सेंचुरी के बाद जब विराट आउट हुए तो थमी हुई लहरें बैठ सी गईं। सब कुछ सुन्न हो गया। अंत में जब हमारे हाथों से ट्राफी खिसक गई, तो ऐसा लगा जैसे बहुत कुछ चला गया हो। अचानक सन्नाटा सा लगने लगा। कप्तान के आंसू जैसे बहुत कुछ कह गए। लेकिन हमें यह भी सोचना चाहिए, आगे आसमां और भी हैं।

पूरे देश में था विश्व कप के अंतिम मैच का रोमांच। ऐसा लग रहा था, मानो देश क्रिकेटमय हो गया। और, उम्मीदों का सफ़र देखिए कि गिल आउट हुए तो हमने रोहित से आस लगाई। रोहित गए तो विराट पर। विराट के बाद राहुल, जडेजा और सूर्यकुमार पर उम्मीदें टिक गईं। ये जब बहुत बड़ा स्कोर नहीं बना पाए तो लोग शमी को याद करने लगे। सिराज और जडेजा पर आस लग गई। कहने लगे - अब शमी ही बचा सकते हैं। और शमी ने आते ही बचाया भी। वॉर्नर को बाहर भेज दिया। इसके बाद बुमराह ने दो और विकेट लिए। हमारी आवाज़ में ठसक आ गई लेकिन वो भी कुछ ही देर में फुर्र हो गई।

जब उम्मीदों पर पाला पड़ने लगा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने आउट होने से इनकार कर दिया और शाम से ही बूढ़ा आकाश ऊँघने लगा। सन्नाटा पसर गया। देश में भी और स्टेडियम में बैठे सवा लाख लोगों के बीच भी। ओटीटी से लाखों दर्शक मुंह मोड़ने लगे। आखिर प्रश्न तो उठना स्वाभाविक ही है, भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जिस दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, खिताबी मुकाबले में उसे कायम क्यों नहीं रख सकी? क्या मनोवैज्ञानिक दबाव के आगे हमारे खिलाड़ी अचानक समर्पण कर देते हैं? क्या ऐसा ही यहां भी हुआ?

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रेविस हेड ने 120 बॉल पर 137 और मार्नस लाबुशेन ने 110 बॉल पर 58 रन की नाबाद पारी खेली। कुछ क्रिकेट विशेषज्ञ फाइनल में भारत की हार के फैक्टरों का विश्लेषण भी कर रहे हैं। लेकिन इस विश्लेषण का अर्थ तब है, जब हम आगे इसे ध्यान में रखकर जैसी रणनीति आस्ट्रेलिया बनाता आया है, इस बार भी बनाई, उस तरह की रणनीति बनाने पर जोर दें। रोहित शर्मा ने उसी तरह बल्लेबाजी की, जैसी वे इस वर्ल्ड कप में पहले से करते आ रहे थे। पर लोग कह रहे हैं कि जिस तरह शॉट खेलकर वे आउट हुए, वो केयरलेस था और इससे भारतीय पारी का मोमेंटम टूट गया। फिर विराट पर टिप्पणी। राहुल के धीमे खेल पर टिप्पणी। श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी पर टिप्पणी। कहा गया बाद में आने वाले बल्लेबाज खुल कर नहीं खेल सके। टीम इंडिया पावरप्ले में हावी रही। शमी ने अपने पहले ओवर में डेविड वॉर्नर का विकेट निकाला। फिर बुमराह ने मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ को पावरप्ले में चलता कर दिया। पावरप्ले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 60 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

अब यह कहा जा रहा है कि पावर प्ले के बाद बॉलिंग और फील्डिंग में अटैक कम कर दिया। रोहित ने ओस से बचने के लिए पावरप्ले के बाद 6 ओवर जडेजा और कुलदीप से डलवाए। इस पर हेड और लाबुशेन को नजर जमाने का मौका मिल गया। दोनों ने शतकीय साझेदारी करके मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में कर दिया। लेकिन ये सब टिप्पणियां इसलिए फिलहाल अर्थहीन हो जाती हैं, क्योंकि आस्ट्रेलिया विश्वकप जीत चुका है। बहुत सारी आतिशबाजी लोगों की बच गई। राजनीति नारे लिखे और गढ़े रह गए। पूरा देश अचानक निराशा में चला गया। आंसुओं की धार निकली। और भी बहुत कुछ। और हां, इस बीच सट्टे का मुद्दा भी लगातार चलता रहा। इसकी अलग कहानी है।

फिर भी, क्या इसका मतलब ये है कि हम अपनी निराशा या गुस्सा उन खिलाड़ियों पर उतारें, जिन्होंने विश्व कप में सेमीफायनल तक लगातार मैच जीते? उन खिलाड़ियों पर, जिन्होंने अपनी पूरी जान लगा दी आखिरी मैच जीतने के लिए? बिल्कुल नहीं। कोई भी हारने के लिए नहीं खेलता। यह केवल स्वयं के सम्मान की बात नहीं है, पूरे देश के सम्मान का मामला हो जाता है। फिर भी हमें अपने खिलाड़ियों पर, अपनी टीम पर गर्व करना चाहिए। हमारी कुछ गलतियां हुई हैं, तो हम उन्हें सुधारने की कोशिश करें। खिलाड़ियों से अलग हटकर कुछ ऐसे रणनीतिकार भी शामिल कर सकते हैं, जो सालोंसाल से खेल का विश्लेषण करते आ रहे हैं। हर मैच के पहले रणनीति बनाएं, जीत-हार का विश्लेषण करें। दिल छोटा करने की जरूरत नहीं है। दम से खेलें। खेलते रहें। जीतते रहें। हमें आप पर कल भी गर्व था, आज भी गर्व है। आगे भी रहेगा।

साहस, शौर्य और संघर्ष की प्रतीक.. इंदिरा गांधी

सुरेश पचौरी

इंदिरा गांधी के जन्म दिवस 19 नवंबर के अवसर पर साहस, शौर्य और संघर्ष की प्रतीक: श्रीमती इंदिरा गांधी - सुरेष पचौरी भारतरत्न श्रीमती इंदिरा गांधी ऐसी विभूतियों में से एक हैं जिनका स्मरण हमें आलोकित करता है, हमारा मार्ग प्रषस्त करता है। प्रियदर्षिनी से प्रधानमंत्री तक की उनकी जीवनयात्रा देष के इतिहास का अविस्मरणीय हिस्सा है। उनकी प्रगतिषील विचारधारा और नेतृत्व षैली ने भारतीय राजनीति को नई दिषा दी। उनके व्यक्तित्व में हिमालय सी दृढ़ता और समुद्र सी गंभीरता समाहित थी। उनकी कार्यषैली ने उनके व्यक्तित्व को करिष्माई रूप दिया, जिससे वे सच्ची जननायक बनीं। इंदिराजी कुषल प्रषासक एवं दूरदर्षी नेता थीं। उनके चिंतन में दृढ़ निष्चय, त्वरित निर्णय क्षमता जैसे नैसर्गिक गुण शामिल थे जिनकी वजह से जनमानस में उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई। जब भी 1971 की उस महान शौर्यगाथा का जिक्र आता हैं जिसमें पाकिस्तान के 90 हजार से ज्यादा सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने विवष होकर आत्मसमर्पण किया था, तब सभी देषवासी इंदिराजी को बड़े आदर से याद करते हैं। इंदिराजी की दूरदर्षिता और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता के कारण दुनिया के मानचित्र पर बांग्लादेष के रूप में नए राष्ट्र का उदय हुआ। अगर इंदिरा गांधी नहीं होतीं, तो क्या बांग्लादेष बन सकता था? क्या सिक्किम का भारत में विलय हो सकता था? क्या श्रीलंका की हिंसक बगावत काबू में की जा सकती थी? क्या भारत दक्षिण एशिया की महाशक्ति बन सकता था? इंदिराजी ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन, रंगभेद आंदोलन तथा भूमंडल की शांति के आंदोलन में बेजोड़ निपुणता तथा महान गरिमा के साथ अपनी महती भूमिका निभाई। इंदिरा जी का मानना था कि -'' जब तक देश में गरीबी और असमानता है, तब तक उसे दूर करने के लिए कार्य करना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती है।'' उनका कहना था कि आजादी के क्या मायने हैं अगर किसी के पास उचित रोजगार नहीं है। हमें आजादी को गरीबों के लिए एक हकीकत बनाना होगा। इंदिराजी का संकल्प था कि गरीबी हटनी चाहिए, विषमताएं दूर होनी चाहिए और अन्याय का अंत होना ही चाहिए। यही उनका लक्ष्य था जिसको प्राप्त करने की दिषा में वे जीवन पर्यन्त संघर्षरत रहीं।

इंदिराजी की कथनी और करनी में कभी भी अंतर नहीं था। वे समय-समय पर देष की जनता को दिये गये आष्वासनों को पूरा करने की दिषा में कार्ययोजना बनाती रहती थीं। इंदिराजी की पहल पर छठी पंचवर्षीय योजना में नई आर्थिक नीतियां और कार्यक्रम तय किए

गए जिनमें गरीबी उन्मूलन के व्यापक और दीर्घकालीन उपाय शामिल थे। इंदिराजी ने गरीबी-हटाओ के नारे तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम के माध्यम से देश के सामाजिक, आर्थिक ताने-बाने को मजबूत किया। 20 सूत्रीय सामाजिक आर्थिक कार्यक्रम में भूमिहीनों, कामगारों, सीमांत किसानों, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों तथा गरीब व कमजोर वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने के बड़े प्रयास किए गए। जिसके परिणाम स्वरूप देष में विकास का एक नया दौर शुरू हुआ। उन्होंने अल्पसंख्यकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान हेतु अथक प्रयास किये। श्रीमती इंदिरा गांधी ने जीवन भर भारत की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय एकता और समानता पर आधारित लोकतंत्र की परंपराओं और सिद्धांतों का सही मायनों में पालन किया। देष के हर वर्ग को विकास का लाभ मिले, सबको समान अवसर प्राप्त हों, इसके लिए उन्होंने अनेक दूरगामी योजनाओं का क्रियान्वयन कराया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजा-महाराजाओं के प्रिवीपर्स की समाप्ति, तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण, देष के संसाधनों का समान वितरण आदि उनके ऐसे ही प्रगतिषील कदम थे। इंदिराजी चाहती थीं कि हर भारतवासी आत्मसम्मान की जिंदगी जिए। उन्होंने समाज के शोषित वर्गों तथा सदियों से उपेक्षित व प्रताड़ित भारतीय नारियों को सषक्त बनाने की दिषा में अनेक कदम उठाए। उनके शासनकाल में महिलाओं को बराबरी का हक मिला, खेतिहर महिला मजदूरों को पुरूषों के बराबर मजदूरी का कानून बना, कामकाजी महिलाओं की भलाई के लिए तमाम योजनाएं शुरू की गई। इंदिराजी देष की खाद्य सुरक्षा को दृढ़ता के साथ सुनिष्चित करना चाहती थीं। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में हरितक्रांति का सूत्रपात किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में किसानों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए अनेक परियोजनाएं शुरू की गईं। किसानों की बेहतर फसल के लिए नई टेक्नोलॉजी, पानी, उर्वरक, उन्नत बीज एवं कृषि ऋण मुहैया कराया गया, जिससे देष कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सका। इंदिराजी जानती थीं कि खेती की आय से किसानों की जिंदगी में खुषहाली लाना कठिन कार्य है इसलिए उन्होंने दुग्धक्रांति आपरेषन शुरू किया तथा नेषनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना की। इसके साथ-साथ उन्होंने अखिल भारतीय ग्रामीण प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जिससे दुग्ध क्रांति के साथ-साथ सोयाबीन क्रांति की शुरूआत हुई।

इंदिराजी ने अपने जीवन काल में देश के जनजातीय समुदाय की पीड़ा तथा उनकी आकांक्षाओं को बखूबी पहचाना और उनके विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहीं। आदिवासी भाई-बहनों से उन्हें बहुत लगाव था। इंदिराजी चाहती थीं कि जनजातीय समुदाय की समस्याओं का समाधान हो और उनकी जो सभ्यता है, जो परम्परा है, वह सुरक्षित रहे। आज दुनिया पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, वन्य जीवन, वनों और वन्यप्राणियों की सुरक्षा की चर्चा कर रही है इन मुद्दों पर इंदिराजी ने 1972 से ही काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 1972 में प्रोजेक्ट टाईगर कार्यक्रम बनाया तथा शेरों व बाघों के षिकार पर प्रतिबंध लगाया। इंदिराजी ने 1975 में पर्यावरण बचाने और पौधा रोपण के काम में लाखों लोगों का उपयोग किया। 1972 के संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सुरक्षा सम्मेलन में उन्होंने महती भूमिका निभाई। इंदिरा गांधी जातियों और समुदायों के बीच भेदभाव करने वाली उस विचारधारा को हमेषा नापसंद करती थीं, जिसने अतीत काल में देष को गहरी क्षति पहुंचाई। वे धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों की प्रबल समर्थक थीं। बहुत कम लोगों को ऐसा मौका मिलता है कि वे जिस उद्देष्य के लिए जीवित रहें, उसी के लिए अपनी जान की कुर्बानी भी दें। फिरकापरस्त ताकतों और साम्प्रदायिक हिंसा को समाप्त करने के लिए इंदिराजी ने अथक संघर्ष किया और देष की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इंदिराजी का मध्यप्रदेष से विषेष लगाव था। उन्होंने मध्यप्रदेष के लगभग सभी अंचलों की यात्राएं की एवं प्रदेष के विकास कार्यों की आधारषिला रखी। मसलन, ग्वालियर संभाग के षिवपुरी में सिंधु नदी परियोजना, विजयपुर में उर्वरक कारखाना, मालवा-निमाड़ में नर्मदा सागर वृहद सिंचाई परियोजना, खरगोन में नर्मदा पेयजल परियोजना, रीवा संभाग के सीधी में विंध्याचल ताप परियोजना तथा शहडोल में संजय गांधी सुपर थर्मल परियोजना, भोपाल में पर्यावरण सुरक्षा संस्थान जैसे अनेकों परियोजनाएं हैं जो इंदिराजी के स्मृति चिह्न के रूप में हमारी धरोहर हैं और इन्हीं से मध्यप्रदेष में विकास और खुषहाली का नया सबेरा आया है। आज इंदिराजी हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनके विचार और कार्य हमारे बीच में मौजूद हैं। हम उन्हें सादर नमन करते हुए उनकी जन्मतिथि पर देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। आज हम उनके जीवन को एक विषिष्ट नेतृत्व, साहस और कुर्बानी के लिए याद करते हैं। इंदिरा गांधी ने जिन सपनों और आदर्शों के साथ जीते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया, वे हमारे लिये आदर्ष व पथ-प्रदर्षक हैं और उनके अनुसार चलना हमारा कर्तव्य है। **(लेखक भारत सरकार में रक्षा उत्पादन, कार्मिक एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री रहे हैं)**

विधानसभा चुनावः भारी मतदान से दुविधा में राजनेता

-अरुण पटेल

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में बिना किसी लहर के नजर आये मतदाताओं के उत्साह और भारी मतदान से राजनीतिक दल और राजनेता दुविधा में फंसे नजर आ रहे हैं और अपनी-अपनी जीत-हार का गणित लगाने में व्यस्त हैं। लाडली बहना बनाम एंटी इनकमबेंसी को लेकर ही कयास लगाये जा रहे हैं। शिवराज सरकार की लाडली बहना योजना को भाजपा अपने पक्ष में मानकर तो कांग्रेस एंटी इनकमबेंसी और महंगाई के कारण महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में मानकर जीत-हार का गगनचुंबी दावा कर रही हैं। भाजपा नेता मध्यप्रदेश में 230 सीटों में से 150 से अधिक जीतने का दावा कर रहे हैं तो वहीं कांग्रेस नेता 125 से लेकर 150 सीट तक जीतने का दावा कर रहे हैं।

वास्तव में भारी मतदान किसके पक्ष में हुआ है इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषक भी अपने-अपने ढंग से इसका अर्थ निकाल रहे हैं लेकिन कोई भी निश्चित तौर पर यह नहीं कह रहा है कि चुनाव कौन जीत रहा है। ज्यादातर लोग छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को आगे बता रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मामले में कांग्रेस 90 सदस्यीय विधानसभा में 70 से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रही है तो वहीं भाजपा कह रही है कि यहां सरकार उसकी बनेगी। गणित में दो जमा तीन पांच होते हैं लेकिन राजनीति में कभी-कभी यह संख्या छः हो जाती या तीन रह जाती है क्योंकि राजनीति संभावनाओं का खेल है और मतदाताओं के मन की थाह लेना समुद्र की थाह लेने से भी अधिक कठिन है।

जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है कांग्रेस को 55 के आसपास सीटें मिल सकती हैं जबकि भाजपा की संख्या 40 के आसपास पहुंच सकती है। वहीं यदि निष्पक्ष आंकलन किया जाए तो मध्यप्रदेश में मतदाताओं का रुझान कांग्रेस के पक्ष में रहता है तो उसे 120 से 125 तक और यदि भाजपा के पक्ष में रहता है तो फिर उसे लगभग 150 के आसपास सीटें मिल सकती हैं। मतदाता के मन में क्या था यह तो तीन दिसम्बर को मतगणना से ही पता चल सकेगा, अभी तो केवल अनुमानों के घोड़े ही दौड़ते नजर आयेंगे और तब तक सभी को अपनी जीत का सपना देखने का पूरा-पूरा अधिकार है।

मध्यप्रदेश के चुनाव नतीजे इस बात पर निर्भर करेंगे कि लाडली बहना ने कोई गुल खिलाया है या फिर एंटी इनकमबेंसी मतदाताओं के मानस पटल पर पूरी तरह छाई रही। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बात का पक्का भरोसा है कि लाडली बहनों ने अपने भाई का साथ दिया है और भाजपा की ही सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हमारे बुजुर्गों, किसानों, बहनों और भाइयों के साथ ही भांजे-भांजियों ने भी जिस उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया है वह सराहनीय है, मध्यप्रदेश को सशक्त, समृद्ध व आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सभी का धन्यवाद।

वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ का दावा है कि मतदाता मध्यप्रदेश का निर्माण करेगा और आपका एक-एक वोट प्रदेश में फैले कुशासन को समाप्त कर जनहित की सरकार की स्थापना करेगा। उन्होंने भारी मतदान के लिए मतदाताओं को हृदय से धन्यवाद दिया। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा के चुनाव में आखिरकार बहुमत के लिए लड़ाई इतनी कड़ी हो गई कि मतदान होते-होते समर्थकों के साथ कई सीटों पर बहस के साथ ही साथ मारपीट तक की नौबत आ गयी और भाजपा के एक प्रत्याशी के खिलाफ उसके समर्थकों सहित आपराधिक मामले में एफआईआर तक हो गई। कांग्रेसजनों के साथ ही वहां पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को धरना तक देना पड़ा । भाजपा ने तो सत्ता बचाने के लिए एड़ी-चोटी की ताकत लगा दी है और भारी बहुमत का भरोसा जता रही है। वहीं कांग्रेस के एक जिम्मेदार नेता का कहना है कि पार्टी प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है।

भाजपा के एक बड़े नेता की बात पर यकीन किया जाए तो संगठन के आंतरिक विश्लेषण में पार्टी की 121 सीटों से काफी अधिकसीटें आ रही हैं और उसकी सत्ता में वापसी हो रही है, जबकि सार्वजनिक तौर पर हर नेता 150 से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रहा है। लाख टके के इस अनुत्तरित सवाल का जवाब मतगणना से ही मिलेगा कि क्या कांग्रेस इस बार बहुमत का आंकड़ा हासिल कर पायेगी या भाजपा सत्ता में बनी रहेगी। लेकिन मतदान के दौरान कई जगह खुलकर आपसी टकराव भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नजर आया ।

मध्यप्रदेश में चुनाव का रुख किधर!

जयराम शुक्ल

पत्रकारिता और ज्योतिष में एक साम्य गजब का है। ज्योतिषी ग्रह-नक्षत्रों की चाल के हिसाब से भविष्यवाणी करते हैं और हम पत्रकार नेताओं, मतदाताओं के रुआब देखकर। यह तुक्का कभी सटीक बैठता है तो कभी गलत।

वैसे अच्छा पत्रकार वह है जो घटना घटित होने के पूर्व उसके होने की घोषणा कर दे और जब सही न निकले तो अपने तर्कों से यह साबित कर दे कि वह क्यों नहीं हुई। ज्योतिषी भी यही करते हैं। ऐसे तीर-तुक्के पत्रकारिता और ज्योतिष दोनों के धंधे के लिए फलदायी होते हैं।

मध्यप्रदेश में 230 विधानसभा सीटों के लिए हुए मतदान के बाद 3 दिसंबर तक सब अपने-अपने हिसाब से गुणा भाग लगाते रहेंगे। जब तक परिणाम न आ जाए भाँग की तरंग की भाँति अनुमानों की पतंग चंग पर चढ़ती उतरती रहेगी..। चलिए आपके साथ अपन भी इस उपचुनाव को लेकर कुछ बुद्धिविलास कर लें।

चर्चाओं की वरीयता में पहली बात वोटिंग के ट्रेंड और टर्नआउट को लेकर है। इस बार रिकार्ड तोड़ 77.15 प्रतिशत वोट पड़े हैं, पिछली बार से 1.42 प्रतिशत ज्यादा। वोटिंग का ट्रेंड असमान है। कहीं 60 प्रतिशत हैं तो कहीं 85 प्रतिशत से ज्यादा। बहरहाल वोट का प्रतिशत दोनों प्रमुख दलों को उत्साहित करने वाला है। बंपर वोटिंग को कांग्रेस परिवर्तन लहर मानकर चल रही है तो भाजपा को लाड़ली बहन की अन्तर्धारा पर भरोसा है। यदि 1990, 93, 2003, जब सत्ता परिवर्तन हुआ का दृष्टांत लेकर चलें तो वोटिंग ट्रेन्ड 3 से 5 प्रतिशत तक के उछाल का रहा है। इस बार यह करीब डेढ़ प्रतिशत है, सो यकीनी तौर पर कोई नहीं कह सकता कि वोटिंग ट्रेन्ड परिवर्तन के किसी बड़े संकेत को व्यक्त करता है।

प्रदेश की 34 सीटें ऐसी हैं जहां महिलाओं के वोट पुरुषों के मुकाबले ज्यादा पड़े। पिछली बार 52 सीटें ऐसी थीं जहां महिलाएं आगे थीं। इन 52 सीटों में भाजपा को 32 सीटों में विजय मिली थी।

2018 में जोड़-तोड़ करके कांग्रेस ने सरकार बनाई थी तब भी विन्ध्य में एक तरह से क्लीन स्वीप हुई। यहां भाजपा को 30 में से 24 सीटें मिलीं थीं। इस बार बड़े कमाल की बात यह कि इन 30 सीटों में से 24 सीटों में महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा है। यानी कि पूरे प्रदेश में विन्ध्य की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर वोटिंग की। आप मान सकते हैं कि सरकार बनाने और बिगाड़ने में इस बार भी विन्ध्य की प्रमुख भूमिका रहने वाली है। विन्ध्य का परिणाम 2018 की स्थिति की पुनरावृत्ति कर सकता है, यानी कि भाजपा को 30 में से 24 सीटें। न कहें एक दो आगे पीछे हों।

निर्जीव आंकड़े कभी पक्षपात नहीं करते। सबसे पिछड़े कहें जाने वाले सीधी में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने साढ़े सात प्रतिशत ज्यादा मत दिए। हालात यह कि सिंहावल से मैदान पर उतरे सीडब्ल्यूसी के सदस्य कांग्रेस के पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल की सीट पर महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले रिकॉर्ड तेरह प्रतिशत वोट डाले। कमलेश्वर के प्रतिद्वंद्वी भाजपा विश्वामित्र पाठक को बधाइयां मिलना भी शुरू हो गई हैं, अब क्या कहे इसे। इस बार जिन 24 सीटों में महिला वोट बढ़े हैं उनमें से 19 सीटें भाजपा जीती थी।

अब इस चुनाव में वोटरों के मूड़ की बात कर लें। मेरे रीवा के घर में किराए से एक युवा रहकर नौकरी के लिए तैयारी करता है। वह सिंगरौली में अपना वोट डालकर आज लौटा। मैंने पूछा किसे वोट दिया..? जवाब था मैंने भाजपा के खिलाफ दिया। मेरी मां, भाभी

और बहनों ने भाजपा को दिया, वे लाडली बहनें थी। युवा ने कैफियत दी पांच साल में नौकरी के लिए दस परीक्षाएं दीं, बमुश्किल पटवारी में चयन हुआ तो उसकी भी नियुक्ति रुकी पड़ी है। इस युवा के गुस्से को समझा जा सकता है। लेकिन इस एक वाकयात से मध्यप्रदेश में वोटर्स के मूड की अभिव्यक्ति होती है।

चुनाव में एक स्वर सुनाई पड़ा- 'परिवर्तन' यह बेरोजगार और नौकरी के लिए कश्मकश कर रहे युवाओं का था। दूसरा कर्मचारियों का, जो ओल्ड पेंशन स्कीम की बात करते हुए सत्ता की मुखालफत कर रहे थे। दूसरी ओर लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी,आवास योजना, मुफ्त के राशन, किसान सम्मान पाने वाला बड़ा लाभार्थी वर्ग था जो अपेक्षाकृत मौन ही रहा। उसके स्वर फूटे जरूर लेकिन वोट देने के बाद।

इस चुनाव को आप रस्साकसी के दिलचस्प रोमांचक खेल से समझ सकते हैं। एक छोर पर विशाल लाभार्थी वर्ग था तो दूसरी ओर बेरोजगार युवाओं और कर्मचारियों का वंचित वर्ग। यह रस्साकसी घर के भीतर थी और बाहर भी। इसे अब दूसरे अंदाज में समझिए। जैसे नदी की दो धाराएं समानांतर चलती हैं, एक सतह पर दूसरी सतह से कई फुट नीचे। यानी कि एक धारा और दूसरी अंतर्धारा। इस चुनाव में सतह पर परिवर्तन के स्वर और कर्मचारियों के गुस्से का इजहार था तो अन्तर्धारा में लाड़ली बहनों और विशाल लाभार्थी वर्ग का आवेग। जो इस आवेग को महसूस नहीं करेगा वह चुनाव के परिणाम का आंकलन कर भी नहीं पाएगा।

जिन चौतीस सीटों में महिलाओं के वोट पुरुषों से ज्यादा वोट पड़े उसे 'लाड़ली बहना' फैक्टर के आवेग का प्रकटीकरण कह सकते हैं। लेकिन अन्य सीटों में इस फैक्टर ने असर नहीं डाला ऐसा नहीं है। महिलाओं के बढ़े वोट प्रतिशत को एक तरह से दीवाली का बोनस कह सकते हैं। मूल असर तो मतदान की समग्रता के साथ ही है।

मोटे तौर पर एक बार गुणा-भाग फिर लगा ही लेते हैं। कुल वोट हुए 5 करोड़ 71 लाख, इसमें महिलाओं के वोट 2 लाख 75 के आसपास हैं। लाभार्थी लाड़ली बहनों की संख्या 1 करोड़ 31 लाख है। 45 लाख लाड़ली लक्ष्मियां हैं। इसमें 85 लाख उन्हें भी जोड़ दीजिए जिन्हें किसान सम्मान निधि मिलती है जो कि इस बार 15 नवम्बर को उनके खातों में पहुंची। चुनाव अभियान के बीच ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी रेखा से नीचे वालों को पांच साल और मुफ्त के राशन की घोषणा कर दी। राममंदिर के शुभारंभ की तैय्यार की भक्तिमयी गूंज भी चुनाव के बीच प्रबल रही, तो मोदी की वैश्विक लौह छवि भी। अब इन तमाम कारणों को चुनाव के साथ जोड़कर कर देखें तो परिणाम कोरे स्लेट में लिखी हुई इबारत की तरह स्पष्ट दिखता है।

इस चुनाव में शिवराज सिंह चौहान अभी से 'मैन आफ द मैच' नजर आने लगे हैं। चुनाव के प्रथम दौर में ऐसा लग रहा था कि प्रदेश उनकी मुट्ठी से छिटकता जा रहा है। लेकिन वाकई वे फीनिक्स पक्षी की भांति अपनी राख से उठ खड़े हुए और पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में एक हवा खड़ी कर दी।

लाड़ली बहना इस चुनाव में क्या गुल खिलाने जा रही हैं इसकी धमक पीएमओ तक भी अच्छे से पहुंची है। रतलाम की आमसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुले मन से इसे स्वीकार किया और इसके बाद से श्री चौहान फिर से मेनस्ट्रीम पर आ खड़े हुए।

मैं अभी भी इस मत पर दृढ़ हूं कि 'लाड़ली बहनों' की वजह से पांच से सात प्रतिशत ज्यादा वोट भाजपा के साथ जुड़ने जा रहे हैं जो अबतक नहीं मिलते रहे। तीन प्रतिशत वोटों में किसान सम्मान, मोदी और राममंदिर इफेक्ट को जोड़ लें तो यह सब आठ से दस प्रतिशत होता है। भाजपा व कांग्रेस के वोटों में महज आधे प्रतिशत का अंतर रहा है। यानी कि भाजपा 40.5 और कांग्रेस 40 प्रतिशत। युवाओं और कर्मचारियों के परिवर्तन स्वर की वजह से भाजपा के स्थिर वोट(2018 की स्थिति) में तीन प्रतिशत घटा दें तो यह साढ़े सैंतीस प्रतिशत बैठता है। इस साढ़े सैंतीस प्रतिशत में सात प्रतिशत (लाड़ली बहना न अन्य फैक्टर) जोड़ दें तो भाजपा के वोट का अनुमानित प्रतिशत बढ़कर साढ़े पैंतालीस हो जाता है। अब यदि इस फंसे हुए (जैसा कि ज्यादातर मानते हैं) चुनाव में भाजपा को साढ़े पैंतालीस प्रतिशत मत मिलते हैं तो किसी भी सेफोलाजिस्ट का उत्तर होगा- 125 प्लस।

और अंत में..। आप जानना चाहेंगे कि मेरा अनुमान क्या है..? सो मेरी गणित कहती है कि भाजपा सुरक्षित बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

खुदा न खास्ता यदि मेरा अनुमान गलत साबित हुआ तो फिर मेरे विचारों की तरकश में तर्कों के तीरों की कमी नहीं, कि जो मैंने भविष्यवाणी की वह क्यों गलत साबित हुई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

कलेक्टर, डीआईजी और एसपी ने शांतिपूर्ण संपन्न कराया मतदान

छतरपुर। इस बार के विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन बहुत ही शक्त था। पूरे जिले की मॉनिटरिंग कर रहे कलेक्टर संदीप जीआर, डीआईजी ललित शाक्यवार और एसपी अमित सांघी ने बड़े ही आराम से विधानसभा चुनाव का मतदान संपन्न करवा लिया है। जिलेवासी अनुमान लगा रहे थे कि बिजावर में यूपी का प्रत्याशी होने के कारण कुछ हो सकता है। लेकिन तीनों अधिकारियों की निगरानी और सजगता के कारण बड़े ही शांति तरीके से मतदान संपन्न हुआ। राजनगर में मतदान शुरू होने के चार घंटे पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच जो हुआ उसे भी प्रशासन ने बड़े ही आराम से संभाल लिया और शुक्रवार की सुबह 7 बजे शुरू हुआ मतदान और देर शाम तक चला लेकिन किसी भी प्रकार की कोई विवाद की जानकारी तक नहीं मिली है। इस प्रकार से कलेक्टर संदीप जीआर, डीआईजी ललित शाक्यवार और एसपी अमित सांघी के सराहनीय कार्य की पूरा जिला सराहना कर रहा है।

मौसम ने बदली करवट, पड़ रही ठंड,कंबल और गर्म कपड़ों की मांग बढ़

ओबैदुल्लागंज। मौसम ने करवट बदली है। सुबह से ही घना कोहरा छाया रहता है। ठंडी हवाएं भी चल रही हैं। इस वजह से पूरे क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है। लोगों ने फिर से गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। जगह-जगह लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। रायसेन समेत कई नगरों में ऐसे दृश्य देखने को मिल रहे हैं। लोग ठंडी हवाओं से बचने के लिए व्यवस्था करते देखे जा रहे हैं बात ओबेदुल्लागंज की करें, तो यहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। ओबेदुल्लागंज आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र में पिछले दिनों की अपेक्षा ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक दो दिनों में प्रदेश के तापमान में और भी गिरावट दर्ज की जा सकती है।

स्ट्रांग रूम की चौकसी हेतु राजनैतिक दल व अभ्यर्थियों के लिए समीप ही व्यवस्था की गई

छतरपुर। विधानसभा निर्वाचन 2023 मतदान उपरांत शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र. 01 छतरपुर में बने विधानसभावार स्ट्रांग रूमों में ए एवं बी केटेगिरी की ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मतगणना 3 दिसम्बर तक पुलिस एवं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखी जावेगी। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों अथवा अभ्यर्थियों द्वारा निगरानी किये जाने की समुचित व्यवस्था शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्र. 01 छतरपुर में बने विधानसभावार स्ट्रांग रूमों के समीप की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. ने राजनैतिक दलों एवं अभ्यर्थियों से इस अनुरोध किया है कि 3 दिसम्बर प्रातः 6 बजे तक शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्र. 01 छतरपुर में बने विधानसभावार शील्ड स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई ए एवं बी केटेगिरी की ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी निगरानी एवं चौकसी हेतु अपने प्रतिनिधि को अधिकृत पत्र के साथ भेजें।

मतदान सम्पन्न कराकर लौटे मतदान दलों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वागत किया

छतरपुर। विधानसभा चुनाव 2023 अंतर्गत 17 नवंबर को छतरपुर

जिले में मतदान सपन्न हुआ। मतदान दलों का मतदान सपन्न कराने के पश्चात जिला मुख्यालय के सामग्री वापसी केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 पहुंचने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. ने पुष्पहारों से स्वागत किया। इस अवसर पर एसपी अमित सांघी ने भी मतदान दलों का स्वागत किया। जिले के 1587 मतदान केंद्रों में स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से मतदान संपन्न हुआ।

मतदान को लेकर सभी आयुवर्ग के मतदाताओं में दिखा अपार उत्साह

सिवनी- विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत शुक्रवार 17 नवम्बर को हुये मतदान को लेकर जिले वासियों में अपार उत्साह दिखाई दिया। वरिष्ठ मतदाताओं, युवाओं के साथ-साथ पहली बार मताधिकार का उपयोग कर रहे नव मतदाताओं में अपने मताधिकार को लेकर जागरूकता दिखाई दी। सभी ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ-चढकर हिस्सा लिया। लखनादौन विधानसभा क्षेत्र के 110 वर्षीय धनाराम स्वयं अपने मतदान केन्द्र प्राथमिक शाला बीबी पहुंचे तथा मतदान करने के उपरांत उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। वहीं सिवनी विधानसभा क्षेत्र के 84 वर्षीय डॉ. एस एन श्रीवास्तव मतदान करने के लिए आटों से अपने मतदान केन्द्र पहुंचे। वहीं बडी संख्या में दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। मतदान को लेकर युवा वर्ग में खासा उत्साह दिखाई दिया। पहलीबार मताधिकार का उपयोग कर रहे नवमतदाता प्रातःकाल से ही अपने मतदान केन्द्र पहुंचते दिखाई दिये तथा मतदान करने के उपरांत उनके चेहरों में अनोखी खुशी दिखाई दी।

नवमतदाताओं द्वारा मतदान केन्द्रों में सेल्फी लेकर अन्य मतदाताओं को

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के ढुलमुल रवैये के कारण राजनगर विधानसभा में हुई घटना ने पकड़ा तूल

छतरपुर / छतरपुर जिले की राजनगर विधानसभा में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के ढुलमुल रवैये और लापरवाही के कारण राजनगर विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना अब तूल पड़ती जा रही है, एक तरफ कॉंग्रेसी सलमान के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए धरने पर बैठे रहे, तो वहीं दूसरी तरफ भाजपाई भाजपा प्रत्यासी सहित अन्य हत्यारो को बचाने में लगी हुई है, इस घटना से पूरे प्रदेश में पुलिस प्रशासन की छीछा लेदर हो रही है, सलमान की हत्या के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं में स्नद्धक्रतो दर्ज कर ली लेकिन सलमान के हत्यारों को गिरफ्तार करने में आनाकानी की जा रही है, जिसको लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह खजुराहो पहुंचे और हत्यारोपियो की गिरफ्तारी के लिए सलमान का शव रखकर परिजनों सहित थाने के सामने धरने पर बैठ गए, इतना ही नहीं पुलिस की ढुलमुल रवैया के कारण उन्हें रात भर वहीं धरना पर ही सोना पड़ा, धरना के दूसरे दिन पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ और सलमान के शव को सुपुर्दे खाक कर अंतिम विदाई दी गई, अब इस मामले में भाजपा भी मैदान में उतर आई है सलमान के हत्यारों को बचाने के लिए षड्यंत्र रच कर अधिकारियो पर भी दबाव बनाया जा रहा है, आज प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भाजपाइयों के साथ राजनगर भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं को बचाने के लिए ज्ञापन सौंपेंगे, फिलहाल कुछ भी हो लेकिन इस घटना से जिले का माहौल दिन प्रतिदिन खराब होता चला जा रहा है...

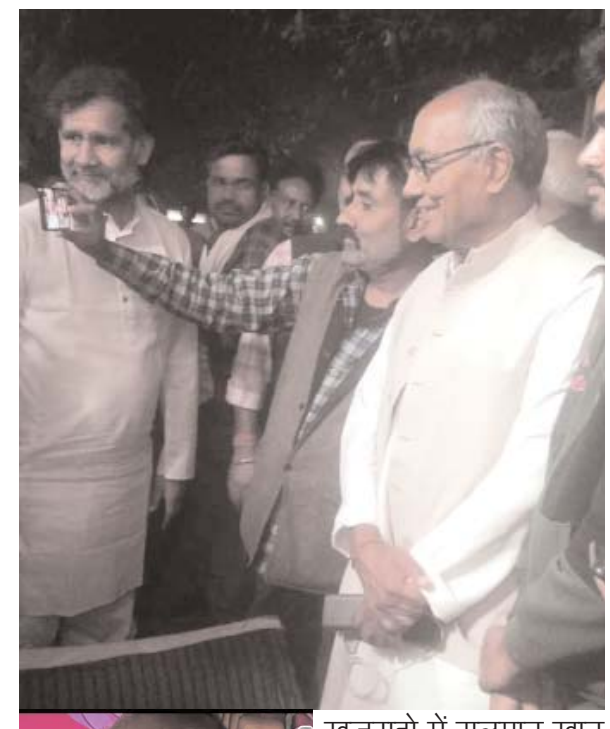

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपनी पत्नी अमृता सिंह सहित थाने के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता सलमान के शव लेकर बैठे धरने

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कांग्रेस कार्यकर्ता सलमान खान की लाश के साथ थाने के सामने धरने पर बैठ गए हैं. उनके साथ सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता के अलावा मृतक सलमान के परिज और रिश्तेदार भी मौजूद रहे। खजुराहो थाने के सामने एक बड़ा सा पंडाल लगाया गया है जिसमें सभी लोग धरना दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती तक शव नही दफनाएंगे।

राजनगर में राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। विक्रम सिंह (नातीराजा) के साथी कांग्रेस पार्षद सलमान खान की मौत के बाद, आईपीसी की धारा 302,307 सहित कई धाराओं में 20 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज होने के बाद अब दिग्विजय सिंह आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़ गए हैं। उनके साथ छतरपुर पूर्व विधायक आलोक चतुर्वेदी, महाराजपुर पूर्व विधायक नीरज दीक्षित सहित हजारों लोग गिरफ्तारी पर अड़े हैं। दिग्विय सिंह देर रात खजुराहो थाने के सामने हजारों समर्थकों सहित टेंट में खाट पर ही सो गए 7

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं भी मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हूं लेकिन मैंने कभी भी किसी भी भाजपा कार्यकर्ता के साथ द्वेष भावना के साथ कोई भी कार्यवाही नहीं की। भाजपा का ये काम बेहद निंदनीय है। परिवार के लोग और मैं तब तक यहां धरने पर बैठे रहेंगे जब तक की सलमान खान की हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर दिया जाता है।

एक ओर धरना दूसरी ओर रखा रहा शव

एक ओर मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सैकड़ों समर्थकों एवं मृतक के परिजन और रिश्तेदार धरना दे रहे थे तो दूसरी ओर शव रखा हुआ था। मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद है। अनुमान लगाया जा रहा है कि धीरे-धीरे दिग्विजय सिंह की मौजूदगी में यह धरना और भी बड़ा हो सकता है। आसपास के कांग्रेस कार्यकर्ता छतरपुर पहुंच रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन एवं पुलिस पर मानसिक रूप से दबाव बना हुआ है7

खजुराहो में सलमान खान की मौत पर सदमे में परिवारन्याय की मांग को लेकर थाने के बाहर धरने पर बैठे मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक कार्यकर्ता की मौत, दूसरे के साथ धरना स्थल पर मुस्कुराते हुए सेल्फी, धरना स्थल पर ही सोने से पहले मुस्कुराते हुए और नींद में भी चेहरे पर मुस्कान ।

गौ सेवा ब्राह्मण वैष्णव की सेवा करने से भगवान होते हैं प्रसन्न नवनीत महाराज

सिरोंज। नगर के प्रसिद्ध मंदिर मदन मोहन सरकार पर कार्तिक महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह-शाम मंगल आरती के बाद अलग-अलग तरह के व्यंजनों का भोग सरकार को लाया जाता है। इसके उपरांत प्रसादी का वितरण किया जाता है। मंदिर के प्रधान पुजारी नवनीत महाराज के द्वारा कार्तिक मास की कथा में

तुम्हारा

लिखवाओसे निज दया से,सुन्दर भाव बताकर

कार्तिक मास तेइसवां अध्याय सुनो सुधाकर

जयविजयावूचतुः भक्तावावां कथं देव ग्राहमातङ्गयोनिगौ ।

भविष्यावः कृपासिन्धो तच्छापो विनिवर्त्यताम्।।

विष्णु भगवान् ने कहा कि मेरे भक्तों की वाणी कभी असत्य नहीं हो सकती यमराज भी इस विषय में कुछ नहीं कर सकता। इसी कारण हे धर्मज्ञ ! तुम भी नित्य विष्णु का व्रत किया करो ईर्षा और द्वेष को छोड़कर समदृष्टि से जगत् के सब जीवमात्र को देखा करो, गौ, ब्राह्मण, वैष्णवों की सेवा में इस इतिहास को जो सुनता है और सुनाता है वह जगद्गुरु की सत्कृपा से हरि भगवान् के समीप पहुँचा देनेवाली मति को पाता है।

श्री देवाधिदेव मदनमोहन जी सरकार के सिद्ध चौतन्य दरबार में कार्तिक महोत्सव की मंगला आरती मे आज भोग आलू चना चाट का भोग लगाया गया साथ ही केसर दूध, फल, तांबूल, मगध, दही, रबड़ी, मेवे का भोग लगाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

रविवार ओर फाइनल मैच होने के कारण अधिकांश प्रतिष्ठान रहे बंद, सड़कों पर छाया रहा सन्नाटा, पर जमकर लगाया गया सटटा, पुलिस की पहुंच से दूर

सिरोंज। रविवार के चलते वैसे ही छुट्टी रहती है। दूसरी ओर वर्ल्ड कप का फाइनल क्रिकेट मैच होने के कारण अधिकांश व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले जो खुले हुए थे । वहां भी दोपहर के बाद बंद होते हुए नजर आए। क्योंकि मैच के चलते बाजार में पूरी तरह से चहल पहल गायब दिखाई दी मैन बराबर भी जैसे ही मैच प्रारंभ हुआ तो सड़कों पर आवाज आई पूरी तरह से बंद हो गई सड़कों पर भी सन्नाटा छाया गया सभी लोग अपने-अपने घरों में टीवी पर मैच देखते हुए नजर आए रोहिल पुरा के आगे बड़ी स्कीम पर मैच दिखाने की व्यवस्था की गई थी जहां पर बड़ी संख्या में लोग मैच देखने पहुंचे पर जिस तरह की प्रदर्शन की उम्मीद सभी को भारतीय टीम से थी उस का प्रदर्शन भारतीय बल्लेबाजों के द्वारा नहीं किया गया तो अधिकांश खेल प्रेमियों में मायूसी भी देखने को मिली फिर भी क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद थी कि भारतीय बल्लेबाज तो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया पर अच्छी गेंदबाजी करके भारतीय टीम को वर्ल्ड कप जीतने का काम बॉलर करेंगे बड़े स्तर पर वर्ल्ड कप के फाइनल मैच को लेकर नगर वासियों के द्वारा तैयारीयां की गई थी मंदिरों में प्रार्थना का दौर भी देखने को मिला अधिकांश लोगों ने पहले से ही वर्ल्ड कप को लेकर घर पर रहकर मैच देखने की तैयारी कर रखी थी। और लोग टीवी के आगे बैठकर मैच का लुफ्त उठाते हुए नजर आए इसका ऐसा असर रहा की बाजार में दिन भर सन्नाटा छाया रात में भी बहुत काम लोग बाजार में नजर आए नहीं तो इन दोनों चुनाव संपन्न होने के बाद अधिकांश लोग चांदनी चौक में पहुंचकर चुनाव के मामले को लेकर चर्चा करते हैं हर जीत को लेकर भी चर्चाओं का दौड़ चलता है।

क्रिकेट मैच पर जमकर लगाया गया पैसा - प्रतिबंध के बाद भी बड़ी संख्या में लोगों ने क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने का काम किया हैरानी की बात तो यह रही कि लोगों ने मैच के साथ हर बॉल और हर रन पर पैसा लगाने का काम किया इसके चलते कई लोग मोटी रकम इस खेल पर लगाकर गवाते हुए भी नजर आए इस खेल को बड़े ही शतिर तरीके से संचालित किया जा रहा है । मोबाइल पर लिंक भेज कर पैसा लगवाने का काम किया जाता है। सट्टा लगाने वालों को पहले खिलाने वाले व्यक्ति से संपर्क करना पड़ता है फिर उसके द्वारा इनको जिसमें लिक भेज उसके के माध्यम से हर गेंद हर रन और हर ओवर से लेकर मैच पर पैसा लगवाने का काम करवरकर क्रिकेट पर सट्टा लगवाया जा रहा है। इस तरह से खेल खिलौने से पुलिस भी इनको नहीं पकड़ पाती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सट्टे के खेल को अंजाम देने वालों के द्वारा खिलाड़ियों को

पहले लिंक भेजी जाती है उसके माध्यम से पैसे लगाने का इन्हें ऑप्शन दिया जाता है ।जैसे ही शौकीन इस लिंक को खोलकर पैसे लगते हैं तो उनका खेल प्रारंभ हो जाता है ।अधिक क्रिकेट पर सट्टा लगाने वाले ज्यादा के चक्कर में पैसा इस खेल में लगाकर बर्बाद भी हो रहे हैं ।वर्ल्ड कप फाइनल पर तो सट्टे का बोलबाला रहा दूसरी ओर इस तरह से खेल को अंजाम देने वालों की पुलिस को कोई भनक भी नहीं लग पाई। वही पुलिस सट्टा खिलाने वालों पर कार्रवाई करने की बात तो कहती है पर सट्टा खिलाने वालो पर पुलिस कार्रवाई नहीं कर पा रही है। तभी तो कई दिनों से क्रिकेट पर सट्टा लगाने का काम चल रहा है पर पुलिस किसी को भी नहीं पकड़ पाई है और ना ही खिलाने वालो तक पुलिस के हाथ पहुंच सके।

दोनों दलों के समर्थक हार जीत के लगाते रहे आंकड़े, 3 दिसम्बर तक रहेगी चर्चा

सिरोंज। 2018 के चुनाव की अपेक्षा में इस बार 8ः से अधिक वोटिंग होने से समीकरण सभी के अंदाज लगाने के आंकड़े भी विफल हो सकते हैं। चुनाव संपन्न होने के बाद से ही हार जीत के दावों का दौर भी प्रारंभ हो गया है,हार जीत पर पैसे लगाने का काम भी कई लोगों के द्वारा किया जा रहा है । जब तक परिणाम नहीं आएगा तभी तब तक इसी तरह की चर्चाएं गली मोहल्ले चौक चौराहा का पान चाय की दुकानों पर होती रहेगी। रिकॉर्ड वोटिंग प्रतिशत किसके पक्ष में गई है इसका कहना भी संभव नहीं है। पर काम वोटो से हार जीत देखने को मिलेगी। वोटिंग प्रतिशत बढ़ने से फायदा हमेशा भाजपा को ही होता है ऐसी चर्चाएं भी हो रही है। क्योंकि अधिकांश मतदाताओं ने साइलेंट होकर अपने मत का उपयोग किया है। इसके कारण सही अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है वोटिंग बढ़ाने के कई तरह के फैक्ट भी दिए जा रहे हैं जिसमें सभी के अपने-अपने तर्क हैं जहां भारतीय जनता पार्टी के समर्थन या मान रहे हैं की वोटिंग बढ़ने से उनको अधिक फायदा होगा उनके प्रत्याशी। की जीत हो सकती है दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के समर्थकों का कहना है की वोटिंग बढ़ने से कांग्रेस को ही विजय प्राप्त होगी दिन भर इसी बात को लेकर चर्चा होती रही। थोड़ी देर में कांग्रेस प्रत्याशी को जिता दिया और थोड़ी देर के बाद ही भाजपा प्रत्याशी को जिताने का काम किया जा रहा था। किस्मत किसी को विधानसभा भेजेगी इसका फैसला तो 3 दिसंबर को परिणाम आने के बाद ही सामने आएगा। दूसरी ओर इसी तरह कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के घर समर्थकों ने अपने-अपने आंकड़े बताते हुए जीत का दावा किया दूसरी ओर इन सब के दावों की सच्चाई तो 3 दिसंबर को ही सामने आएगी। जानकारों से जब हमने चर्चा की तो उनका कहना था इस बार हर जीत का अलंकार नहीं किया जा सकता है दोनों प्रत्याशियों ने कड़ी मेहनत करके कांटे की टक्कर का चुनाव बनाया है कुछ जानकारी का कहना है कि जब भी वोट प्रतिशत बंपर होता है तो बदलाव की बात होती है दूसरी और कुछ जानकारी का यह भी कहना है कि वोट प्रतिशत बढ़ने से भाजपा को हमेशा फायदा होता है। दूसरी ओर इस बार मतदाताओं ने भी ज्यादा वोटिंग की जिनमें महिला वोटरों की संख्या पिछली बार की अपेक्षा ज्यादा रही इनकी भीड़ सुबह से लेकर देर शाम तक मतदान केदो पर लगी रही मतदान प्रतिशत भी 80.29ः रिकॉर्ड तोड़ हुआ है। महिला वोटरों में 77.37 मतदान किया वहीं पुरुषों ने 82.82 प्रतिशत मतदान किया थर्ड जेंडर की बात करें तो 63.64 प्रतिशत रहा कुवल 1780035 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया जिसमें पुरुष वोटरों की संख्या 96853 महिला मतदाताओं की संख्या 81175 एवं सात अन्य मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। 2018 में 72ः मतदान हुआ था इस बार 8ः अधिक वोटिंग परसेंट में भी वृद्धि हुई है।

छतरपुर जिले में औसत 72 प्रतिशत मतदान का अनुमान

मतदान में मतदाताओं ने उत्साह से भाग लिया, बूथ पर महिलाओं की लंबी कतार देखने को मिली

नये युवा मतदाताओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया दिव्यांग और बुजुर्ग भी मतदान करने में पीछे नहीं रहे

छतरपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छतरपुर जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को मतदान संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. द्वारा जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किये गये थे। जिले में औसत 72 प्रतिशत मतदान का अनुमान है। जिले में शाम 7 बजे तक 71.48 प्रतिशत मतदान की जानकारी है। जिसमे विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर में कुल 72.68 प्रतिशत जिसमें पुरूष 73.93 एवं महिला 71.28, चंदला में कुल 67.72 प्रतिशत जिसमें पुरूष 68.25 एवं महिला 67.1, राजनगर में कुल 70.36 प्रतिशत जिसमें पुरूष 71.5 एवं महिला 69.07, छतरपुर में कुल 73.33 प्रतिशत जिसमें पुरूष 74.71 एवं महिला 71.8, बिजावर में कुल 72.4 प्रतिशत जिसमें पुरूष 73.9 एवं महिला 70.69 और मलहरा में कुल 72.53 प्रतिशत जिसमें पुरूष 74.15 एवं महिला 70.69 प्रतिशत रहा। जिले में सभी विधानसभा क्षेत्र में प्रातः 7 बजे से मतदान केन्द्रों में मतदान प्रारंभ हो गया था। ऐसे अनेक मतदाता जो सबसे पहले मतदान करना चाहते थे वे प्रातः 7 बजे से ही मतदान केन्द्र पर पहुंच गये थे। मतदान दिवस को लोगों ने लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया और युवाओं, महिला और पुरूष मतदाताओं उत्साह से भाग लिया। जो नये मतदाता बने थे उन्होंने बढ़-चढ़ कर मतदान किया। मतदान केन्द्रों पर महिलाओं की लंबी

कतारे देखने को मिली। दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाता भी भमतदान में पीछे नहीं रहे। जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर, बिजावर और मलहरा के कुल 14 लाख 17 हजार 763 मतदाताओं के लिए कुल 1587 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। इनमें 69 आदर्श मतदान केन्द्र, 168 महिला मतदान केन्द्र बनाये गये थे। इन मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं द्वारा अपनी सुविधानुसार मतदान किया। मतदान कन्द्रों पर मतदाताओं को सभी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए व्यवस्था की गई थी। इनमें पेयजल, विद्युत, शौचालय, रैम्प, व्हीलचेयर, छायादार टेंट आदि उपलब्ध थे। मतदाता निर्भीक होकर मतदान करें इसके लिए पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था रही।

विधानसभा चुनाव में लोगों ने मतदान दिवस को लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया। मतदाता अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। ऐसे मतदाताओं ने भी मतदान किया, जो अपने कामकाज के सिलसिले में दूसरे जिले या प्रदेश में रहते है उन्होंने भी जिले में पहुंच कर मतदान में भाग लिया। स्वीप की गतिविधियों के अंतर्गत ऐसे लोगों को प्रेरित करने के लिए स्वीप के अंतर्गत जिले में मुहीम चलाई थी।

कुबेरेश्वरधाम पर गोपाष्टमी के पावन अवसर पर भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में आगामी 20 नवंबर सोमवार को गोपाष्टमी को बृजधाम की झलक दिखाई देगी। मंदिर परिसर में भव्य रूप से गोवर्धन सजाया जाएगा और 56 भोग से बनेंगे गिरिराज जी। इसकी तैयारियों को लेकर भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके लिए यहां पर आने वाले भक्तों और समिति की महिला परिसर में गो पूजन और रंगोली आदि बनाई जाएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि आगामी 20 नवंबर को सुबह 10 बजे अन्नकूट दर्शन के गौमाता एवं गोवर्धन नाथ जी आरती के पश्चात दोपहर बारह बजे से दोपहर दो बजे तक महा प्रसादी का वितरण किया जाएगा। दीपोत्सव के पश्चात हर साल यहां पर समिति के द्वारा भव्य आयोजन किया जाता है। इस मौके पर मंदिर परिसर में 56 प्रकार की सामग्री से गिरिराज गोवर्धन का प्रतिरूप तैयार किया जाएगा। इसके अलावा रंगोली आदि का निर्माण किया जाएगा।

भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि अन्नकुट महोत्सव सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व है। भगवान श्रीकृष्ण को 56 या 108 तरह के पकवानों का भोग लगाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि अन्नकूट भी गोवर्धन पूजा का समारोह है। 56 प्रकार के मिष्ठान पकवान का भोग अर्पित किया जाता है, इससे ही विभिन्न आकृतियां उकेरकर झांकी सजाई जाती है इसलिए इसे अन्नकूट महोत्सव कहते हैं, अन्नकूट प्रसादी का बड़ा महत्व होता है क्योंकि इसमें कई प्रकार की सब्जियां अन्य प्रकार के भोग बनाए जाते है। उस प्रसाद का स्वाद ही अलग होता है। गो मतलब लक्ष्मी और वर्धन का मतलब है वृद्धि है। मां लक्ष्मी की जो वृद्धि करने वाले है वो गोवर्धन होते है। महोत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आस्था के साथ गोपाष्टी पर्व मनाऐंगे और गो माता की पूजा अर्चना की जाएगी।

वही मान्यता है कि नए अनाज का लगता है भोग इस दिन भगवान के निमित्त छप्पन भोग बनाया जाता है। कहते हैं कि अन्नकूट महोत्सव मनाने से मनुष्य को लंबी आयु तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। अन्नकूट महोत्सव इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन नए अनाज की शुरुआत भगवान को भोग लगाकर की जाती है। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनकी पूजा की जाती है और गौमाता को मिठाई खिलाकर आरती उतारते हैं। इसके बाद परिक्रमा भी करते हैं।

प्रचलित कथाओं के अनुसार श्री कृष्ण जब वृंदावन वासियों को देवराज इंद्र के स्थान पर गोवर्धन पूजा करने की सलाह दी थी तो सभी ने उनकी बात मान ली थी। इस बात को जानकर देवराज इंद्र बहुत क्रोधित हुए थे और उन्होंने मूसलाधार बारिश शुरु कर दी।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने प्रोग्राम की घोषणा की

भोपाल। इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर्स और 3-व्हीलर्स की इबलु रेंज बनाने वाली, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने आज अपने ईवी थ्री-व्हीलर इबलुरोज़ी के लिये अपनी तरह के अनूठे रोडसाइड असिस्टेन्स प्रोग्राम की घोषणा की है। कंपनी नवंबर महीने में खरीदे गये (1 नवंबर से 30 नवंबर 2023 तक) सारे इबलुरोज़ी के लिये 3 साल के कॉम्प्लीमेंटरी रोडसाइड असिस्टेन्स की पेशकश कर रही है। यह आरएसए देशभर में कंपनी के सभी टचपॉइंट्स पर उपलब्ध होगा। 24×7 रोडसाइड असिस्टेन्स प्रोग्राम ग्राहकों के लिये बिना किसी अतिरिक्त खर्च के संपूर्ण मानसिक शांति की गारंटी देता है और इसमें कई फायदे होंगे, जैसे कि फ्लैट टायर असिस्टेन्स, बैटरी जम्पस्टार्ट, लॉकआउट सर्विस, छोटी-मोटी मरम्मतें और टोइंग सर्विस। बिना वारंटी वाली किसी इमरजेंसी में ग्राहकों की सहायता करने के लिये चौबीसों घंटे चालू रहने वाली एक समर्पित हेल्पलाइन होगी। एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर ग्राहकों की सहायता करेगा और कुशल तकनीशियनों को ग्राहकों के लोकेशन पर भेजा जाएगा और जरूरत होने पर उनके पास टोइंग ट्रक भी होगा।

रॉकिंग डील्स का आईपीओ 22 नवंबर को खुलेगा

फरीदाबाद, एजेंसी। रॉकिंग डील्स सर्कुलर इकॉनॉमी लिमिटेड (क्रष्ठष्टश्वरु) ने घोषणा की है कि बुधवार, 22 नवंबर 2023 को उनका इनिशियल पब्लिक ऑफर खुलने जा रहा है। गौर तलब है कि रॉकिंग डील्स एक समर्पित बी2बी सोर्सिंग प्लैटफॉर्म है जो अनबॉक्स्ड, सर्टिफाइड रिफरबिश्ड, ऐक्सैस इन्वेंट्री प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में कार्यरत है। ऐंकर बुक मंगलवार, 21 नवंबर 2023 को खुलेगी और यह इश्यू शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 को सम्पन्न होगा। कंपनी इस आईपीओ से लगभग 21 करोड़ रुपए (अपर प्राइस बैंड पर) जुटाने की कोशिश कर फरीदाबाद मुख्यालय वाली इस कंपनी में 20 से अधिक कर्मचारी हैं जिन्हें विभिन्न श्रेणियों में उत्पादों की सोर्सिंग, ग्रेडिंग व प्राइसिंग का व्यापक अनुभव है। वित्तीय वर्ष 2023 में कुल रेवेन्यू रु. 15.01 करोड़ रहा, उन्हें प्रमाणित करने का काम करती है, जिसमें रॉकिंगडील्स की रिटेल शाखा भी है जो इसकी ऐक्सक्लूसिव प्रोक्योरमेंट पार्टनर है।

सहाराश्री को कई हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल, उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, पूर्व मंत्री श्री अरविंद सिंह गोप, पूर्व विधायक श्री अभिषेक मिश्रा, सपा एमएलसी श्री राजेश यादव, पूर्व विधायक श्री अनुग्रह नारायण सिंह उर्फ खोखा सिंह, पूर्व एमएलसी श्री शिराज मेंहदी, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री अनिल दुबे, राजद के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक सिंह, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा, पूर्व मंत्री डॉ. अम्मार रिज़वी, मौलाना ख़ालिद रशीद फ़िरंगी महली, पूर्व सांसद श्री नरेश अग्रवाल, मंत्री श्री नितिन अग्रवाल, भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती स्मिता ठाकरे, पूर्व मंत्री श्री अरविंद सिंह गोप, विधायक श्री राजेश्वर सिंह, राज्यसभा सदस्य श्री प्रमोद तिवारी, श्री के.एल. खुराना (पंजाब के पूर्व महाधिवक्ता), सुश्री नीरा राडिया, श्री राज बब्बर और श्री सोनू निगम। 15 नवंबर की सुबह मुंबई में श्रीमती स्वप्ना रॉय जी के पास अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे श्री अमिताभ बच्चन, सुश्री श्वेता बच्चन, श्री अभिषेक बच्चन और सुश्री रवीना टंडन।16 नवंबर, 2023 को निम्नलिखित हस्तियों ने। अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए सहारा शहर का दौरा किया - भारतीय हॉकी के पूर्व कप्तान श्री धनराज पिल्लै, श्रीमती जूही बब्बर (श्री राज बब्बर की बेटी), लखनऊ मेयर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, सी.एम.एस. संस्थापक श्री जगदीश गांधी, बोनी कपूर (निर्देशक और निर्माता), गुल पनाग (अभिनेत्री), ब्रायन सिलास (पियानोवादक)।

विद्याधर नगर विस क्षेत्र में रविवार को बडा झटका लगा, जब भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में दो दर्जन से ज्यादा कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में रविवार को बडा झटका लगा जब भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी के समर्थन में दो दर्जन से ज्यादा कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता जॉइन कर ली। देर शाम दिया कुमारी ने वार्ड न 30 के लक्ष्मीपति नृसिंह मंदिर में हज़ारों श्रृद्धालुओं के साथ छठ पूजा में हिस्सा लिया।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में कांग्रेस ब्लॉक मंडल उपाध्यक्ष और हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति सचिव सुशील शर्मा, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के अध्यक्ष गोपाल सिंह, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के कोषाध्यक्ष दीनदयाल शर्मा, कांग्रेस कार्यकर्ता और संगठन मंत्री अनिल पारीक, मीडिया प्रभारी पुनीत पारीक, पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक सैनी, हरमाड़ा कांग्रेस कार्यकर्ता कृष्ण कुमार उदेणिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता बबलू शर्मा, दूरसंचार विभाग के रिटायर्ड अकांउट आफिसर गंगाराम सैनी, रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश यादव, राजस्थान पुलिस के रिटायर्ड हवलदार गोपाल सिंह महरोली, राजस्थान पुलिस से रिटायर जमनालाल,पवन सूंठवाल, सुरेश कुमार चौधरी, शंकर लाल जागिड़, गोपाल जांगिड़, विक्रम चौधरी, राम अवतार मिश्रा, दशरथ जी शर्मा, श्री मधुसूदन जी शर्मा, श्री गुलाब जी बागड़ा, श्री मुकेश जी सैनी, रिटायर पुलिस

सीताराम जी शर्मा, श्री अमर सिंह जी, रिटायर रेलवे चीफ बालूराम, अखिलेश मिश्रा, मदन सिंह राजावत, कमल कुमार शर्मा, करणी कॉलोनी के रमेश मालपानी, महेश कुमार शर्मा आदि जन शामिल रहे।

वार्ड 4 में हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति द्वारा आयोजित जनसभा के दौरान भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले पाँच सालों में विकास की गति को पूरी तरह से रोक दिया है। इलाक़े में रोड, सीवर, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं से जनता को जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने सवाई माधोपुर में चंबल का पानी लाने से लेकर राजसमंद में मावली-मारवाड़ रेल लाईन के आमान परिवर्तन जैसे काम किये है। पिछले दस साल में मैंने जनप्रतिनिधि के रूप में अपना शत-प्रतिशत प्रयास दिया और काफ़ी हद तक सफल हुई। अब मैं अपने घर जयपुर में अपने लोगों के सेवा करने के लिए आपके बीच हूँ। दिया कुमारी ने नवागंतुक सदस्यों का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

रविवार को दिया कुमारी ने जनसम्पर्क की शुरुआत नांगल मंडल के वार्ड 13 में वीरांगना लक्ष्मीबाई जयंती के उपलक्ष्य में पतंजलि किसान सेवा समिति जयपुर के तत्वावधान में आयोजित %योग एवं राष्ट्र धर्म संवाद कार्यक्रम% में सम्मिलित होकर की और उपस्थित गणमान्य जनों से संवाद किया।

इस दौरान दिया कुमारी ने विपक्ष की नियत पर सवाल उठाते हुए कहा कि पानी की पाइपलाइन को विद्याधर में उपलब्ध क्यों नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि क्यों बीसलपुर परियोजना का जल झोटवाड़ा पहुँच जाता है, परन्तु विद्याधर नगर नहीं। कांग्रेस पार्टी और इनके उम्मीदवारों की बातें सब दिखावा है और इसका जवाब भी इनको मिलेगा। जनसंपर्क के क्रम में दिया कुमारी ने मुरलीपुरा मंडल के वार्ड 9 में जनता-जनार्दन से सहयोग और आशीर्वाद मांगा तथा सभी से क्षेत्र में विकास के लिए %भारतीय जनता पार्टी% को वोट देने की अपील की। देर शाम दिया कुमारी अम्बाबाड़ी में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन में भी सम्मिलित हुई।

विद्याधर से भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी ने लोहा मंडी रोड पर आयोजित एक जनसभा में दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई

जयपुर। भाजपा की सदस्यता हासिल करने वालों में महावीर सिंह राठौड पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विद्याधर नगर, सुशील शर्मा एडवोकेट पूर्व उपाध्यक्ष , महासचिव आमेर विधानसभा, राधेश्याम सैनी पूर्व महासचिव बीसीसी, रामनिवास यादव महासचिव बीसीसी, संग्राम सिंह शेखावत पूर्व कार्यकारिणी सदस्य बीसीसी, ओम प्रकाश गहलोत वार्ड अध्यक्ष वार्ड 40 झोटवाड़ा, नाथूराम मीणा ब्लॉक अध्यक्ष एसटी प्रकोष्ठ, पवन सुठवालदृ पूर्व सचिव बीसीसी वर्तमान अध्यक्ष यूथ कांग्रेस, पवन दरिमा महासचिव यूथ कांग्रेस, प्रेम सिंह मुरलीपुरा वार्ड, आशुतोमा शारदा वार्ड 11 यूथ कांग्रेस महासचिव, जगदीश बागड़ा पूर्व सरपंच, नन्दलाल सैनीदृ वार्ड 2, गिरवर सिंह शेखावत वार्ड 18, रणवीर सिंह पटवारी जयसिंहपुरा वार्ड 3,भगवान सिंह शेखावत वार्ड 20, सज्जन सिंह नाथावत वार्ड 18 , मुकेश अग्रवाल वार्ड 17, सुशील जांगिड वार्ड 6, नवीन खण्डेलवाल वार्ड 3, कानाराम जाट वार्ड 1 , सदस्य बीसीसी, सत्यनारायण अग्रवाल वार्ड 15 पूर्व सचिव, चन्दालाल सैनी वार्ड 2, कैलाश जी कुमावत वार्ड 2, कानाराम जाट और राधे श्याम सैनी हैं।

दिया कुमारी के जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर मीडिया से बात की और कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे पूर्वजों ने उस समय की सबसे सुनियोजित शहर की स्थापना की। उन्होंने कहा कि जयपुर की एक पारम्परिक पहचान है जिसको बरक़रार रखना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आधुनिकरण और तकनीकीकरण अति महत्वपूर्ण है परन्तु हमको यह ध्यान रखना है कि इन सबके बीच जयपुर की पहचान को कोई खतरा नहीं होना चाहिए।

इसके उपरांत दिया कुमारी ने आज नांगल मण्डल में के वार्ड 13 और वार्ड 19 में रोड शो किया जिसमें भारी भीड़ उमड़ी इसके उपरांत दिया कुमारी ने विद्याधर नगर के भगवान झूलेलाल लाल मंदिर महासभा में स्नेहीजनों के साथ क्षेत्र के बेहतर भविष्य पर संवाद किया। इसी क्रम में आयोजित शेखावाटी अभिनंदन समारोह में सम्मिलित होकर परिवारीजनों से भाजपा को समर्थन देने की अपील की।

एक अन्य मीडिया चैनल पर बात के दौरान दिया कुमारी ने कांग्रेस के शीर्ष को खूब खरी खोटी सुनाई और कहा कि राजस्थान में आए दिन महिलाओं के ऊपर 25ङ्क30 रिपोर्टेड घटनाएं होती रही हैं।इनके नेता चुनावी सभाओं के लिए राजस्थान आ सकते हैं परन्तु पीड़ितों से मिलने के लिए नहीं। दिया कुमारी ने आगे कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि कांग्रेस, सत्ता की खातिर महिलाओं के खिलाफ हुए अत्याचार को भी स्वीकार करने के लिए तैयार है।

महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के अलावा दिया कुमारी ने राजस्थान में महंगाई को लेकर भी सवाल किया। महंगाई राहत कैंप को उन्होंने महज एक दिखावा बताते हुए कहा कि आज राजस्थान में पेट्रोल और डीजल सबसे अधिक महंगा है। फ्री बिजली के नाम पर बिजली की यूनिट से ज्यादा टैक्स लग रहा है। जनता से एक तरफ ज्यादा पैसा लेकर दूसरे तरफ कम दिखाने का ढोंग सिर्फ कांग्रेस ही कर सकती है।

अंजानी एक्स में एक नई आवाज़ के साथ ओल्ड स्कूल बॉलिवुड की यादों का आनंद लीजिए

भोपाल । संगीत का ऐसा फ्यूज़न, जिसकी कोई सीमा न हो, पेश करते हुए 'अंजानी एक्स' में एजु के जीवंत गीत और बी यंग के विशेष अंतर्राष्ट्रीय आरएंडबी फ्लेयर का बेहतरीन संगम हुआ है। यह सेंसेशनल गीत 'अंजानी एक्स' कुछ कुछ होता है के लोकप्रिय गीत 'लड़की बड़ी अनजानी है' की यादों में ले जाएगा, जिसके बोल इंग्लिश और पंजाबी लिरिक्स के साथ इस गीत में शामिल किए गए हैं, और एक ऐसा संगीत का अनुभव पेश किया गया है, जो पूरे विश्व के श्रोताओं का मन मोह लेगा अपने इस गीत के बारे में एजु ने कहा, ''अंजानी एक्स बनाने के लिए हमें आधुनिक बीट्स में सांस्कृतिक प्रभावों का प्रयोग करना था, जो एक बहुत ही रोमांचक और समृद्ध अनुभव रहा। मुझे बॉलिवुड पसंद है, और कुछ कुछ होता है मेरी पसंदीदा फिल्म थी। बी यंग के साथ 'लड़की बड़ी अनजानी है' का अंश लेकर एक नया गीत बनाना मेरे लिए बहुत ही आकर्षक लम्हा था। अब मैं अपने इस ट्रैक के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हूँ।''

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार बी यंग ने कहा, ''अंजानी एक्स मेरे लिए बहुत खास गीत है। यह एक गीत से बढ़कर है। इसमें मेरे स्टाईल के साथ बॉलिवुड साउंड और पंजाबी लिरिक्स का फ्यूज़न एक बहुत ही आकर्षक अनुभव था, और मुझे खुशी है कि एजु के साथ मुझे यह करने का अवसर मिला। मैं इस ट्रैक के लिए फैंस की प्रतिक्रिया देखने के लिए काफी उत्सुक हूँ।'' इस आकर्षक ट्रैक ''अनजानी एक्स'' में एजु और बी यंग के विशेष स्टाईल के खूबसूरत मिश्रण के साथ बॉलिवुड की वास्तविक भावना को जीवंत किया गया है। पंजाबी गीत पर एजु के एक नए रुख और बी यंग के अद्वितीय आरएंडबी स्टाईल के बेहतरीन तालमेल से संगीत का एक ऐसा अनुभव उत्पन्न हुआ है, जो संगीत की विभिन्न रुचियों के अनुरूप है। इसकी आकर्षक बीट्स, गीत के मोहक बोल, और शानदार संगीत वीडियो ने इस ट्रैक को बेहद लुभावना बना दिया है।

टीम इंडिया ही वर्ल्ड कप की असली चैंपियन! एक खराब दिन ने भारत की उम्मीद को 4 साल आगे बढ़ाया

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले में रविवार, 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया छठी बार वर्ल्ड चैंपियन बना है। ट्रैविस हेड की 137 रन की शतकीय पारी ने सब समीकरण बदल दिए। ऑस्ट्रेलिया ने 241 रन के टारगेट को 6 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। इस पूरे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है, लेकिन एक खराब दिन ने टीम इंडिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने की उम्मीद को और चार साल आगे बढ़ा दिया है।

इसलिए टीम इंडिया ही है असली चैंपियन?

विराट और रोहित टॉप स्कोरर ये वर्ल्ड कप विराट कोहली के लिए बेहद खास रहा है। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज विराट कोहली ने इस वर्ल्ड कप में शानदार 765 रन बनाकर वनडे विश्व कप के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। साथ ही उन्होंने 2003 में बनाए गए सचिन तेंदुलकर के 673 रनों के लंबे समय के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं कप्तान रोहित शर्मा इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। रोहित ने 597 रन बनाए

शमी बने टॉप विकेट टेकर

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। शमी ने सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए हैं। शमी ने वर्ल्ड कप में 7 मैच खेले हैं। उन्हें हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया। शमी ने टूर्नामेंट में तीन बार पांच विकेट और एक बार चार विकेट हासिल किए। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शमी का 7/57 का स्कोर उनके करियर सर्वश्रेष्ठ और वर्ल्ड

कप का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा भी रहा है।

सभी टीमों को धोया

वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया ने लीग मैचों में लगातार 10 जीत हासिल करके फाइनल में एंट्री की थी। इस दौरान भारत ने ऑस्ट्रेलिया समेत पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को धूल चटाई थी, लेकिन टीम इंडिया फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने से चूक गई।

न्यूजीलैंड को 2 बार हराया

इस विश्व कप में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम को एक नहीं बल्कि दो बार हराया। धर्मशाला में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया था, जबकि वानखेड़े में खेले गए सेमीफाइनल मैच में ब्लैक कैप्स को 70 रन से परास्त किया।

ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती मैच में ही हराया

टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में अपनी पहली जीत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही दर्ज की थी। इस मुकाबले में विराट कोहली और केएल राहुल की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम इंडिया ने कंगारुओं को 6 विकेट से हराया था।

शतकवीरों की टीम, भारत की ओर से 7 सेंचुरी बनीं

इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की मजबूत बल्लेबाजी का दम पूरी दुनिया ने देखा। टॉप ऑर्डर से लेकर मिडिल ऑर्डर तक सभी बल्लेबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में प्रतिद्वंद्वि गेंदबाजों की पसीने छुड़ाए। इस वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने 3 शतक ठोके। वहीं श्रेयस अय्यर ने 2 शतक लगाए। जबकि कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल के बल्ले से एक-एक शतक निकला।

बॉलिंग में धार

मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह की स्विंग गेंदबाजी ने पूरे वर्ल्ड कप में बल्लेबाजों को परेशान किया। कुलदीप यादव की फिरकी ने भी बल्लेबाजों को खूब नचाया। विश्व कप में मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 24 विकेट चटकाए। इस दौरान उन्होंने 3 बार 5-5 विकेट भी लिए। वहीं बुमराह के खाते में 20 तो कुलदीप के खाते में 15 विकेट आए।

भारत के लिए फिर अशुभ साबित हुआ यह अंपायर, 10 साल से लगातार टीम इंडिया की कई बड़ी हार का रहा है गवाह

न्यू दिल्ली। भारतीय टीम के लिए अंपायर रिचर्ड केटलबोरो एक बार फिर अशुभ साबित हुए। दरअसल, रिचर्ड केटलबोरो भारतीय टीम की कई बड़े हार के चश्मदीद रहे हैं। यह सिलसिला पिछले तकरीबन 10 साल से बदस्तूर जारी है। आज एक बार फिर भारतीय टीम को वर्ल्ड कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, इस मैच में अंपायर रिचर्ड केटलबोरो थे। टीम इंडिया की हार और अंपायर रिचर्ड केटलबोरो का कनेक्शन साल 2014 में शुरू हुआ था, जो आज तक जारी है।

टी20 वर्ल्ड कप 2016 के फाइनल में भी थे अंपायर = टी20 वर्ल्ड कप 2014 के फाइनल में भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में रिचर्ड केटलबोरो ने अंपायर की भूमिका निभाई थी। भारतीय टीम वर्ल्ड कप 2015 सेमीफाइनल में हार गई थी। महेन्द्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने हराया था, उस मैच में रिचर्ड केटलबोरो ने अंपायरिंग की थी। यह सिलसिला आगे भी चलता रहा। भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2016 के फाइनल में वेस्टइंडीज ने हराया, टीम इंडिया की उस हार का भी रिचर्ड केटलबोरो चश्मदीद गवाह रहे, यानि उस मैच में रिचर्ड केटलबोरो ने अंपायरिंग की थी।

वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में भी अंपायर केटलबोरो ही थे: चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। टीम फाइनल में पहुंची, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। उस मैच में भी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो थे। इसके 2 साल बाद यानि वर्ल्ड कप 2019 में भारतीय टीम सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार गई, उस मैच में बतौर अंपायर रिचर्ड केटलबोरो थे।

भविष्यवाणियां फेल, आस्ट्रेलिया ने जीता दिल और खेल

भविष्यवाणियां अगर एक अनुमान भर हैं, तब तक सब ठीक है। पर यदि भविष्यवाणी सच होने के दावे के साथ की जाए तो यह कभी भी फेल हो सकती है। इसका उदाहरण भारत-आस्ट्रेलिया के बीच 19 नवंबर 2023 को भारत के अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो रहा विश्व कप क्रिकेट का फाइनल मैच है। मैच को लेकर भविष्यवाणियों की बाढ़ सी आ गई थी। ज्यादातर भविष्यवाणी रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेल रही भारतीय टीम को विश्व कप का विजेता बता रही थीं। काश यह बात सही हो जाती, पर दुःख की बात यह कि भविष्यवाणियों को 19 नवंबर के क्रिकेट विश्व कप के फाइनल के खेल ने आइना दिखा दिया है। और यह जता दिया है कि किसी भी खेल का परिणाम भविष्यवाणियों का मोहताज नहीं है, बल्कि यह समय, काल और परिस्थितियों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निर्भर है और इसके बारे में पहले अनुमान तो लगाए जा सकते हैं, पर जीत-हार को पत्थर की लकीर की तरह अमिट साबित करने का वहम नहीं पाला जा सकता। ज्यादातर भविष्यवाणियां गलत साबित हो गईं हैं और आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों के श्रेष्ठ प्रदर्शन और हैड की सुपर-डुपर बल्लेबाजी ने विश्व कप में

अजेय रही भारत की रोहित इलेवन की टीम को हार का स्वाद चखने पर मजबूर कर दिया।

क्या बल्लेबाजों शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर इस हार के हीरो हैं? या फिर केएल राहुल की टिकाऊ टुक-टुक हाफ सेंचुरी और सूर्यकुमार का फ्लॉप और रवींद्र जडेजा का हाफ फ्लॉप प्रदर्शन भारत की हार की वजह बन गया। या फिर यूं कहें कि शमी, सिराज और बुमराह का प्रदर्शन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में धराशायी हो गया। मैच का पूरा मजमून यही रहा कि न तो भारत टॉस जीता, न ही भारत के बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा कर पाए और बाउंड्रीज को तो मानो तरसते रहे और उसी तरह इस विश्व कप में अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवा चुके गेंदबाजों ने शुरुआत में तीन विकेट लेकर फीलगुड कराया और उसके बाद फीलबैड की भेंट देकर रवाना हो गए। अंपायर रिचर्ड केटलबोरो हर दफा की तरह एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अनलकी साबित हुए।

और रविवार की तरह ही भारत की विश्व कप विजेता बनने से छुट्टी हो गई। पर खेल को खेल भावना से ही खेला जाना चाहिए और जीत-हार को समभाव से स्वीकार करने का जज्बा रखना चाहिए। फिलहाल तो यही कहा जा सकता है कि भविष्यवाणियां फेल हो गईं और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम फाइनली विश्व कप जीत ही गई। पूरा मैच देखने वालों को यह समझ में आ गया कि 19 नवंबर 2023 का दिन न तो भारतीय गेंदबाजों का था और न ही भारतीय बल्लेबाजों का रहा। यह दिन तो बस आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का था। यह दिन आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का था और यह दिन आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों का भी था। उन्होंने ही टॉस जीता और अंततः वही क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीतने में सफल हो गए। 240 के स्कोर पर पहले भारतीय? क्रिकेट टीम ढेर हो गई और बाद में चार विकेट लेकर भारतीय? गेंदबाजों ने जीत आस्ट्रेलिया को भेंट कर दी। और यह दिन उन सभी भविष्यवाणियां करने वाले ज्योतिषियों को भी आइना दिखा गई जो पूरे तौर पर भारत को खेलने से पहले ही विश्व विजेता घोषित कर चुके थे।

तुलसीदास जी की रामचरित मानस की एक चौपाई मन को छू रही है। राम के वनवास से बेहद विचलित राजा भरत ने गुरु वशिष्ठ से पूछा कि गुरुवर राम-सीता का विवाह शुभ मुहूर्त में हुआ। राज्याभिषेक का मुहूर्त भी प्रकांड विद्वान त्रिकालदर्शी गुरुजनों ने निकाला। तब राम-जानकी को सिंहासन की बजाय वनवास क्यूं मिला? तमाम शास्त्र विफल कैसे हो गए?

तब गुरु वशिष्ठ ने भरत को बैठाया और शांत भाव से मुस्कुराते हुए कहा :-

सुनहु भरत भावी प्रबल, बिलखी कहेहूं मुनिनाथ, हानि लाभ जीवन मरण, जस अपजस विधि हाथ।

अर्थात जो विधि ने निर्धारित किया वह होकर रहेगा। विधि के लिखे को न शास्त्र बदल सकते हैं, न ज्योतिष, न भाग्य, न वर्तमान। यह सब विधि अर्थात विधाता के हाथ है। इस अनादि ब्रह्म के नियंता विधाता ने जो लिख दिया सो लिख दिया। मुहूर्त में भला इतनी शक्ति कहां कि वह विधि का लेख बदल दे। होनी प्रबल है और घटकर रहेगी। यह चौपाई बस इस संदर्भ में कि विधाता भविष्यवक्ताओं की मुट्ठी में कैद नहीं है।

हालांकि यहां विश्व कप के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहि सो तस फल चाखा। रामचरित मानस की यह खूबसूरत चौपाई कर्म के महत्व को बताती है। इसमें गोस्वामी तुलसीदास कर्म के महत्व को बता रहे हैं। वे कहते हैं यह जगत, यह विश्व कर्म प्रधान हैज जो व्यक्ति जैसा करता है उसे वैसे ही फल की प्राप्ति होती है। अगर आपने कर्म अच्छा किया है तो उसका शुभ फल आपको हर हाल में मिलेगा लेकिन अगर आपके कर्म बुरे हैं तो उसके बुरे परिणामों से भी आप स्वयं को बचाकर नहीं रख सकते। तो 19 नवंबर 2023 को आस्ट्रेलिया के क्रिकेट खिलाड़ियों का खेल अच्छा था और इसीलिए वह जीत के हकदार थे।

पर एक बात साफ नजर आ रही है कि 2023 के विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर की गई भविष्यवाणियां भी अब संदेह के दायरे में आ गई हैं। कोई कांग्रेस को जिता रहा है तो कोई भाजपा की सरकार बनवा रहा है। तो कांग्रेस को जिताने वाली भविष्यवाणियों से भाजपाई परेशान न हों और भाजपा को जिताने वाली भविष्यवाणियों से कांग्रेसी निराश न हों। 3 दिसंबर 2023 को होने वाली मतगणना ही सच बताएगी कि किसका परफोर्मेंस कैसा रहा। किसका दिल टूटा और किसने वास्तव में मतदाताओं का दिल जीता।

महिलाओं के साथ की गई मारपीट

अमरवाड़ा। ग्राम केकड़ा की रहने वाली ओमवती अपनी मां के साथ खेत में गेहूं की बोनी करने गई थी खेत के पास पहुंची वहां ओमप्रकाश ईरपाचे हाथ में डंडा लेकर आया और गंदी-गंदी गाली देकर विवाद करके खाने लगा कि तुम लोगों ने खेत में कदम रखा तो ठीक बात नहीं होगी चंद्रो बाई ने बोला खेत हमारा है तू हमें क्यों रोक रहा है तो ओमप्रकाश ने गंदी-गंदी गाली देकर हाथ में रखी लकड़ी से चंद्रो बाई ने मारपीट का चोट पहुंचा ओमवती ने बीच बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट कर रहा की तूने या तेरी मां ने बोनी किया तो जान से खत्म कर दूंगा महिलाओं की रिपोर्ट पर सहायक उप निरीक्षक सुभाष तिवारी ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

शिवमहापुराण कथा का आयोजन आज से

छिंदवाड़ा। सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा का आयोजन शहर के गुलाबरा गली नं. 2 में चौरसिया कालोनी में आचार्य श्रवण कुमार शास्त्री के श्री मुख से कथा का वाचन किया जाएगा। कथा का आयोजन दोपहर 2 बजे मंगल कलश के साथ कथा का शुभारंभ किया जाएगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे शाम 5.30 तक की जावेगी। कथा के समापन दिवस 27 नवम्बर के दिन महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा आयोजक गिरीजा चौरसिया ने सभी श्रद्धालु भक्तजनों को कथा में सम्मिलित होने की अपील की है।

भाई की लड़की से शादी करवाने से मना करने को लेकर हुआ विवाद

अमरवाड़ा। सिंगोडी चौकी के ग्राम खामी हीरा में रिश्ते के भाई की लड़की से शादी करवाने बात को लेकर विवाद हो गया बताया जाता है कि वीरेश खामी हीरा निवासी से आसलू हिरी ने वीरेश के पास जाकर कहा अब दीपावली हो गई है भाई की लड़की की शादी मेरे साथ करवा दे वीरेश ने बोला मैं नहीं बोल सकता इसी बात पर आसलु मैं गंदी-गंदी गाली दिया और डंडे से मारपीट किया जिससे वीरेश के हाथ पैर नाक कमर चोट आई और नाक से खून निकलने लगा तब उसने बचाओ बचाओ चिल्लाया तो लोग दौड़े बीच बचाव किया आसलू सूर्यवंशी वहां से जाते-जाते बोला की यदि लड़की से शादी नहीं कराया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा वीरेश की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा प्रकरण विवेचना में लिया।

टेली कॉलिंग कॉल सेंटर 1950 में अभी तक 523 कॉलरों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री मनोज पुष्प के मार्गनिर्देशन में कलेक्टर कार्यालय के ई-दक्ष केन्द्र में स्थापित टेली कॉलिंग कॉल सेंटर 1950 में संपर्क करने वाले आवेदकों को निर्वाचन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिये उचित परामर्श दिया जा रहा है। इस टेली कॉलिंग कॉल सेंटर से अभी तक 523 कॉलरों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम काटने, संशोधन और वोटर कार्ड प्राप्त नहीं होने से संबंधित जानकारी चाही गई थी, जिन्हें पूर्ण जानकारी और संलग्न दस्तावेजों की जानकारी प्रदान करते हुये शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया। इसमें 18 नवंबर तक की 522 और आज शाम 6 बजे तक की एक आवेदक की निर्वाचन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिये दिया गया उचित परामर्श शामिल है।

गुढी अंबाड़ा के शहीद भवन में शोक सभा

परासिया। कन्हान पेंच क्षेत्र के केंदीय कार्यालय गुढी-अंबाड़ा में शहीद भवन में दिन रविवार 19 नवंबर को लाल झंडा कोल माईंस मजदूर यूनियन सीटू ने केंदीय कार्यालय गुढ़ी-अंबाड़ा शहीद भवन में मजदूर नेता कामरेड वासुदेव आचार्य का दिनांक 13 नवम्बर 2023 को निधन होने पर शोक सभा आयोजित किया। जिसमें उनके निधन पर सीटू युनियन के केंद्रीय पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त करते हुए सीटू युनियन तथा ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन ने एक जूझारू और संघर्षशील नेतृत्व को खोया हैं। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात रखी जिसमें कामरेड वासुदेव आचार्य सीपीएम से पांच बार सांसद रहे साथ ही सीटू युनियन के प्रभावशाली नेता भी रहे। उनके निधन पर पेंच कन्हान क्षेत्र के सभी केंद्रीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दुख व्यक्त करते हुए शोक संवेदना के साथ सभी ने लाल सलाम कहते हुए कामरेड वासुदेव आचार्य अमर रहे के नारे लगाए।

युवती हुई लापता

अमरवाड़ा। ग्राम सिंगोडी की रहने वाली युवती अपने घर से स्कूल बाका मुकाश जहां वह अतिथि शिक्षक है 2 दिन पहले सुबह स्कूल जाने की कहकर गई हुई थी शाम को किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके बोला लो तुम्हारी बहन से बात कर लो बात करने पर उसने फोन काट दिया परिजनों के द्वारा स्कूल में फोन लगाकर पूछा तो प्रधान पाठिका ने बताया आज स्कूल नहीं आई रात्रि में बस स्टैंड रेलवे स्टेशन आसपास रिश्तेदारों में फोन लगाकर तलाश पता किया नहीं मिलने पर बहन के गुमने की रिपोर्ट करने पर पुलिस द्वारा जो इंसान कायम कर जांच पतासाजी विवेचना में लिया

जान से मार देने की धमकी

अमरवाड़ा। सिंगोडी चौकी के ग्राम कुवडी निवासी शिवप्रसाद की कपस भारती के साथ विवाद हो जाने से उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिए जिससे घायल शिव प्रसाद की ओर से रिपोर्ट आने पर सहायक उप निरीक्षक उपाध्याय ने मामला पंजीबद्ध अधिकार विवेचना में लिया।

शंकरलाल चौरसिया का निधन

छिंदवाड़ा/तामिया। सेवानिवृत पुलिस कर्मी तामिया निवासी शंकरलाल चौरसिया का 95 वर्ष की उम्र में अचानक निधन हो गया वे ओमप्रकाश चौरसिया एवं अनिल चौरसिया के पिता एवं अतुल एवं अंकुश चौरसिया के दादा थे उनकी अंत्येषठी में सभी वर्गोके लोगों ने भाग लेकर उन्हें श्रद्धाजंलि दी।

कांग्रेस, भाजपा उम्मीदवार की जीत को लेकर हो रही चर्चाएं

गली, मोहल्ले, पान ठेलों होटल, पार्कों में घूमते लोग चर्चा करते नजर आ जाएंगे

छिंदवाड़ा। मतदान होने के बाद अब भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की जीत हार की चर्चाएं चलने लगी है। गली, मोहल्ले, चौराहे और पार्की में घूमते लोग जीत हार की चर्चाएं कर रहे हैं। जिले के सातों विधानसभा में किस पार्टी के कितने उम्मीदवार जीतेंगे इसको लेकर भी चर्चाएं हो रही है। सबसे ज्यादा छिंदवाड़ा विधानसभा में चर्चाएं हो रही हैं यहां पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और भाजपा के विवेक बंटी साहू के बीच मुकाबला है। कांग्रेस के कार्यकर्ता लीड कितनी मिलेगी इसको लेकर चर्चा कर रहे हैं तो भाजपा के कार्यकर्ता भी जीत का दावा कर रहे हैं। चौरई और अमरवाड़ा विधानसभा में हुए त्रिकोणीय मुकाबला को लेकर पेंच फंसा हुआ है। चहां चर्चाएं चल रही है कि चौरई विधानसभा में बंटी पटेल जिस पार्टी के ज्यादा वोट काटेंगे उसकी हार होगी। कांग्रेस के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार बंटी पटेल को भाजपा और कांग्रेस दोनो पार्टियों के वोट मिले हैं। अमरवाड़ा विधानसभा के जीत का गणित गोंडवाना पार्टी पर टिका हुआ है। भाजपा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि गोंडवाना से भाजपा में आईं मोनिका बट्टी को दोनो पार्टी के वोट मिलने से फायदा हो रहा है। जबकि कांग्रेस के कमलेश शाह जीत का दावा कर रहे हैं। उन्हें कमलनाथ के मुख्यमंत्री प्रत्याशी होने का फायदा मिलता दिख रहा है। जिले की जुन्नारदेव विधानसभा में कांग्रेस के सुनील उईके और भाजपा के नत्थनशाह के बीच मुकाबला है। यहां गली मोहल्ले में लोग जीत हार की चर्चाएं करते नजर आ जाएंगे। कोई सुनील उईके जिता रहा है तो कोई नत्थनशाह की जीत का दावा कर रहे हैं। परासिया विधानसभा में कांग्रेस के सोहन बाल्मिकी और भाजपा की ज्योति देहरिया के बीच मुकाबला है। कौन कितने वोट से जीत रहा होटल पान ठेलों में यहा चर्चाएं आम है। सौंसर विधानसभा में भाजपा के नाना मोहोड़ और कांग्रेस के विजय चौरे के बीच है। भाजपा ने नाना मोहोड़ की टिकिट चुनाव से काफी पहले घोषित कर दी थी और वे चुनाव प्रचार में जुट गए थे। कांग्रेस ने वर्तमान विधायक को प्रत्याशी बनाया उनका प्रचार अभियान लेट शुरू हुआ लेकिन सौंसर को जिला नहीं बनाए जाने से यहां भाजपा पर असर पड़ सकता है। हालाकि दोनो प्रत्याशी जीत का दावा कर रहे हैं। पांढ़र्ना में भाजपा के प्रकाश उईके और कांग्रेस के वर्तमान विधायक नीलेश उईके के बीच कड़ा मुकाबला है। भाजपा यहां पांढ़र्ना को जिला बनाए जाने का फायदे को लेकर जीत का दावा कर रही है जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी अपने सरल व्यवहार और मुख्यमंत्री कमलनाथ के सीएम बनने का फायदा मिलने की उम्मीद कर दोबारा चुनाव जीतने का दावा कर रहे हैं। बहरहाल किसकी जीत यह 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरी कार

महिला दम्पत्ति की हालत गंभीर

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक कार पुल के नीचे अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसमें सवार दम्पत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल भेजा गया थाना प्रभारी राजेन्द्र धुर्वे ने बताया कि थाना क्षेत्र के ठेल नदी के पास दोपहिया वाहन को बचाने के दौरान कार अनियंत्रित होकर ठेल नदी के पुल के नीचे गिर गई कार में सवार निजाद पिता सरदार खान उम्र 50 वर्ष, और शबनम खान उम्र 45 वर्ष निवासी पाथाखेड़ा थाना सारणी जिला बैतूल निवासी हैं घायल दम्पत्ति का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि दम्पत्ति अपने ग्राम पाथाखेड़ा से उत्तरप्रदेश की और अपने निजी कार्य के लिए जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला पर रॉड से हमला हालत गंभीर

सांवरी चौकी के अंतर्गत एक महिला पर राड से हमला करने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जाता है कि पीड़िता शीतल पति विजय धुर्वे उम्र 25 वर्ष चंद्रजोत गांव की रहने वाली है जो हाल में सांवरी में रहकर मजदूरी कर रही है। चुनाव के दिन वह मतदान करने चंद्रजोत गांव जा रही थी इसी दौरान सोनू साहू के घर के सामने मुर्गी दाना चर रही थी। कल्लोबाई ने मुर्गी को पत्थर फेंक कर मारा यह पत्थर मुर्गी को न लग कर पीड़िता की मां जंगलाबाई को लग गया इस बात को लेकर कल्लोबाई और जंगला में झूमाझपटी हो गई कल्लोबाई ने जंगला को जमीन पर पटक दिया पीड़िता अपनी मां को उठाने पहुंची इस दौरान पीछे से कल्लोबाई के पुत्र सोनू साहू ने पीड़िता पर पीछे से रॉड से हमला कर दिया उसे पीठ पर गंभीर चोट के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चिखलीवाडा में हुआ विवाद जमकर चली कुल्हाड़ी और डंडे दो महिला पांच घायल

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत नगर के समीपस्थ ग्राम चिखली वाला में रंजिश को लेकर तो महिला सहित पांच लोग घायल हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना इस प्रकार बताई जाती है कि ग्राम चिकली वाला निवासी रामेश्वर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उसका और गांव के ही मुकेश वगैरा के साथ विवाद हुआ था इसके बाद रामेश्वर मुकेश की रिपोर्ट दर्ज कराने अमरवाड़ा थाने आया था और वापस लौटा रिपोर्ट की बात से नाराज मुकेश ने रामेश्वर के घर की महिलाएं मीराबाई और विनीता जब सुबह खेत जा रही थी तभी उनके साथ विवाद करने लगा जिसकी जानकारी महिलाओं ने अपने घर में दी मौके पर तत्काल रामेश्वर किशन लाल और काशीराम मौके पर पहुंचे जहां मुकेश और उसके साथियों ने कुल्हाड़ी और डंडे से सभी की पिटाई कर दी जिससे सिर में चोट आई है सभी घायलों किशन लाल रामेश्वर काशीराम मीराबाई और विनीता को अमरवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती कराया घायलों की रिपोर्ट पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

अष्टांहिका महापर्व का शुभारंभ आज से

पार्श्वनाथ जिनालय में होगा प्रवचनसार विधान

छिंदवाड़ा। सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवक आज सोमवार कार्तिक शुक्ल अष्टमी से 20 नवंबर से आगामी कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा 27 नवंबर आठ दिनों तक विविध अनुष्ठानों के साथ अष्टांहिका महापर्व की आराधना करेगा।

फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया कि मंगलमय प्रसंग पर नई आबादी गंज स्थित श्री पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातः 7.15 बजे से श्री जिनबिंब प्रक्षालन, 7.30 से ध्वजारोहण, 7.40 से श्री देव - शास्त्र - गुरु पूजन कर श्री प्रवचनसार विधान का भव्य शुभारंभ जबलपुर से पधारे पंडीतश्री अभिनव शास्त्री के साथ स्थानीय विद्वानों के मंगल सानिध्य में होगा।

प्रवचनों की श्रंखला में प्रातः 9.30 बजे से पं. अभिनव शास्त्री के प्रवचन, दोपहर 2.30 से बाल ब्रह्मचारणी डॉ. आरती जैन के प्रवचन होंगें। रात्रि 7.30 से श्री जिनेन्द्र भक्ति एवं 8.15 से पं. अभिनव शास्त्री जबलपुर के मंगल प्रवचनों को सुनने का लाभ सकल समाज को प्राप्त होगा।

स्वाध्याय भवन में हुई बैठक

अष्टांहिका महापर्व के साथ आगामी 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक बाल ब्रह्मचारी अभिनंदनजी शास्त्री के निर्देशन में रंगमहल परिवार के शुभ भावों के साथ मंडल एवं फेडरेशन के तत्वावधान में होने वाले आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान को लेकर स्वाध्याय भवन में विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमे महोत्सव को विविध अनुष्ठानों के साथ ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया। सिद्धचक्र विधान के दौरान राष्ट्रीय विद्धतगणों का मंगल समागम सहित शिक्षण शिविर, अंतराष्ट्रीय गीतकार संजीव जैन उस्मापुर दिल्ली की भजन संध्या एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. एस. पी. भारिल्ल की विशेष सभा सहित सम्पूर्ण रूपरेखा बनाई गई।

कामगार कर्मचारी कांग्रेस ने मनाया कमलनाथ का जन्मदिन

छिंदवाड़ा। कामगार कर्मचारी कांग्रेस ने आज भावी मुख्यमंत्री कमलनाथ का इंदिरा पथ पर केक काटकर जन्मदिन मनाया और उन्हें बधाई दी। साथ ही भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी को 106वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। इस मौके पर पीसीसी उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे उपस्थित रहे और कामगार कांग्रेस के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया साथ ही चुनाव में पार्टी को जिताने के लिए काम करने के लिए बधाई दी। जन्मदिन कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, द्वारपाल मालवीय, कन्हैया राजपूत, विपिन उईके, रमन ब्रम्हे, अशफाक खान, रेखा उईके, शबनम खान, ग़जेश वर्मा, भगत उईके, गिरधारी चिथलिया, गजानंद पंद्रे, देवेंद्र पहाडे सहित बडी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर कामगार कर्मचारी कांग्रेस के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने पदाधिकारियों से चुनाव में संगठन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कामगार कर्मचारियों ने संघर्षो के जरिए मप्र में बदलाव का माहौल बनाया, जिसका फायदा कांग्रेस को मिला और कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार 150 से अधिक सीटों के साथ बन रही है। शर्मा ने कहा कि पहली बार चुनावों में सरकार के खिलाफ कामगार कर्मचरी वर्ग की व्यापक एकता दिखाई दी है, जिसने बदलाव का माहौल बनाया।

देव उठनी तक होंगे अहिरी नृत्य

छिंदवाड़ा। देव उठनी ग्यारस तक गांव गांव में मडई एवं मेलो का आयोजन होगा। इन मेलों में यादव समाज के लोग अहिरी नृत्य करते है और अपने परिचितो के घर जाकर उनके मंगल गीत (दोहे) गाते है,वे अपनी परम्परागत ड्रेस पहनकर गाजे-बाजे के साथ नृत्य करते है।

छिंदवाड़ा अंडर 15 बालक वर्ग की क्रिकेट टीम चयनित

छिंदवाड़ा। इंदिरा गांधी क्रिकेट मैदान पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव आशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में अंडर 15 बालक वर्ग क्रिकेट टीम के लिए चयन प्रक्रिया संपूर्ण हुई। 16 सदस्य टीम का चयन किया गया। इस अवसर पर चयनकर्ता अभिषेक ठाकुर, जॉय पात्रा, असलम खान उपस्थित रहे। साथ ही अनिकेत त्रिपाठी, श्रांत चन्देल, हिमांशु जायसवाल, मोनू राठौर उपस्थित रहे। टीम का कोच श्रांत चन्देल को नियुक्त किया गया है16 सदस्यीय टीम में हर्षवर्धन सिंग, युग डेहरिया, एरिक चौहान,जय गुजर, हर्ष सूचक, वेंदान्त जंघेला, दिशांत साहू , यथार्थ डेहरिया, अभ्युदय वर्मा, कृष्णा आस्टिकर, गोयम जैन, दर्श पवार, निपुण राव पवार, अथर्व मराठा, ओजस मेहरा, शौर्य पाटिल शामिल किए गए है। चयनित टीम जबलपुर में 23 नवंबर से आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

कलार समाज ब्लॉक परासिया के द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती मनाई

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र परासिया के राम मंदिर में कलार समाज के सामाजिक बंधुओ के द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु जी की पूजन अर्चन कर एवं आरती कर जयंती मनाई गई वहीं कलार समाज के सभी स्वजाति बंधुओ के द्वारा निर्णय लिया गया कि कलार समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दीपक राय जी के मार्गदर्शन में 26 नवंबर को राम मंदिर परिसर में दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे व साथ ही आर्केस्ट्रा का भी प्रोग्राम किया जाएगा कार्यक्रम के अंत में स्नेह भोज किया जाएगा कलार समाज ब्लॉक परासिया के द्वारा समस्त स्वजातीय बंधुओ को कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गई ।

अमरवाड़ा में हुआ रिकॉर्ड मतदान 88.56 प्रतिशत मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र 123 के के कर्मचारी निर्वाचन अधिकारी श्री हेमकरण धुर्वे ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये मतदाताओं के प्रति किया आभार व्यक्त मतदान कार्य में लगी सभी टीमों को भी दी बधाई अमरवाड़ा विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए निर्वाचन कार्यालय के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में मतदान गत दिवस संपन्न हुआ। जिसमें रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है, जो अभी तक का सर्वाधिक है। यह मतदान प्रतिशत केवल ईवीएम से हुए मतदान का है, जो पोस्टल बैलेट का मत प्रतिशत जुड़ने पर 89प्रतिशत से हो सकता है विधानसभा केअर्थात 88 56प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व मतदान के प्रति अपने उत्साह को व्यक्त किया है। इसमें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 332 मतदान केदो में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्री मनोज पुष्प एवं अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी हेमकरण धुर्वे द्वारा अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। उन्होंने मतदान कार्य में लगे सभी रिटर्निंग ऑफिसरों, विभिन्न कार्यो के नोडल अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर्स, अन्य अधिकारी/कर्मचारियों और मतदान दलों को भी मतदान का कार्य सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिये बधाई और शुभकामनायें दी हैं।

लायन्स आई हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

50 हजार नेत्रों के नि:शुल्क हो चुके आपरेशन

छिंदवाड़ा/परासिया। लायन्स आई हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर परासिया के 15 वर्ष पूर्ण होने पर 5 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक विशेष नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है, लायन्स का यह अस्पताल परासिया रेल्वे स्टेशन के पास है जहां आधुनिक मशीनों से नेत्रों का आपरेशन एवं ईलाज किया जाता है।

लायन्स आई हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के डायरेक्टर पूरन राजलानी ने बताया कि लायन्स क्लब के सहयोग से स्थापित इस आधुनिक हास्पिटल में अभी तक 50 हजार से ज्यादा नेत्रों का नि:शुल्क आपरेशन किये जा चुके हैं।

यहां पर नेत्रदान की सुविधा भी उपलब्ध है एवं अभी तक 700 लोगों ने नेत्रदान कर चुके है। यहां मोतिया बिन्द का नि:शुल्क आपरेशन होते हैं। हास्पिटल द्वारा बैतूल, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट में 100 से ज्यादा कैम्प लग चुके है, जहां नि:शुल्क मोतियाबिन्द आपरेशन किये गये, कैम्पों में रहने खाने की व्यवस्था भी नि:शुल्क की जाती है, अस्पताल में 100 बेड है एवं 10 कमरे है।

पूरन राजलानी ने बताया कि लायन्स क्लब द्वारा 1990 से मोतियाबिन्द के कैम्प लगाये जा रहे है। 2018 में लायन्स क्लब के सहयोग से परासिया में आधुनिक अस्पताल का निर्माण कराया गया, जन सहयोग से चलने वाले इस अस्पताल में नेत्रों का नि:शुल्क ईलाज होता है किन्तु जो सक्षम है उनसे शुल्क भी लिया जाता है। जिससे नि:शुल्क ईलाज करने की खर्चो की पूर्ति हो सकें।

अस्पताल में 3 डाक्टर एवं 65 से ज्यादा का स्टाफ है क्लब में 30 सदस्य है

अस्पताल में डायरेक्टर पूरनराजलानी, अनिल जैन, आलोक जैन एवं पिकेश पटोरिया एवं अन्य संचालक है। नेत्रदान में स्व. रमेश सुखेजा का महत्वपूर्ण योगदान था वे कोरोना के समय नहीं रहे, इसके अलावा संदीप बत्रा, किसन हरजानी, राजकुमार नाथानी, बोनी सुखेजा एवं अन्य लोगों का विशेष योगदान रहता है। 700 लोगों जिन्होने नेत्रदान दिया उससे 700 लोगों के जीवन से अंधेरा हटा और नया जीवन मिला। अस्पताल के 15 वर्ष पूर्ण होने पर मोतिया बिन्द आपरेशन 2999/- से प्रारम्भ गरीबी रेखा धारको के लिए एवं फेको आपरेशन 9999/- से रूपये प्रारम्भ होकर 50,000 रूपए तक है।

पिकेश पटोरिया की महत्वपूर्ण भूमिका

लायन्स आई हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर परासिया की स्थापना में परासिया के डायरेक्टर पिकेश पटेरिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी दोनों किडनी फेल है फिर भी उनका अभी भी महत्वपूर्ण योगदान है, डायलासिस होने के बाद भी अस्पताल के संचालक में सहयोग देते है।

मध्य भारत की आधुनिक आंखो का अस्पताल

हास्पिटल मध्य भारत का अत्याधुनिक इम्पोर्टेड मशीन से सुज्जित रेटिना एवं फेको आपरेशान इन्फेक्शन रहित हाईटोक अत्याधुनिक सेमीनार एवं माण्डल आपरेशन थियेटर जहां 100 बेड उपलब्ध है।

समस्त नेत्र सम्बंधित परिक्षण तथा चिकित्सा सुविधाएं

मोतियांबिन्द के ऑपरेशन Phaco,SICS,MICS एवं सुई, टाके रहित आत्याधुनिक पद्धति से ऑपरेशन तथा देशी व विदेशी लैंस सफलता पूर्वक प्रत्यारोपित किये जाते है।

रेटिन (आँख का पर्दा) की आत्याधुनिक मशीनों द्वारा जांच, लेजर एवं इंजेक्शन उपचार तथा आत्याधुनिक मशीनों द्वारा टांके रहित ऑपरेशन की सुविधा (कृपया Appointement लेकर आये)।

ग्लूकोमा (काला पानी, समल वायु)की आत्याधुनिक मशीनों द्वारा जांच, पीआई लेजर, उपचार तथा मशीनों द्वारा ऑपरेशन की सुविधा

(PTR)नाखूना, आँखों में मांस का बढना की जांच एवं ऑपरेशन

(DCT, DCR)नासूर की जांच एवं ऑपरेशन

रेल्वे स्टेशन के पास, रेल्वे कॉलोनी के सामने वार्ड नं. 09 परासिया, जिला-छिंदवाड़ा (म.प्र.) फोन 07161297022, मो. 8225866880 (समय-10.00 बजे से 6.00 बजे) सोमवार अवकाश

लोक शिक्षण संचालनालय के तत्वावधान में स्कूली विद्यार्थियों की राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कई टीमें शामिल हुईं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

प्रदेश में 27-28 नवंबर को बारिश के आसार

भोपाल। मध्यप्रदेश में सर्दी का आगमन हो चुका है, लेकिन 28 नवंबर के बाद ही तेज सर्दी पड़ने की संभावना जताई गई है। वहीं पश्चिमी हिस्से में 27-28 नवंबर को हल्की बारिश हो सकती है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से इस नवंबर में पहली बार बारिश होने के आसार हैं। इससे पहले दिन में गर्मी का असर बढ़ गया है। भोपाल में तापमान 32.3 डिग्री पहुंच गया। दमोह में टेम्प्रेचर 33 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को भी मौसम ऐसा ही रह सकता है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान के असर से कहीं-कहीं बादल भी छा सकते हैं। शनिवार को प्रदेश के कई शहरों में दिन में ठंडक थी, लेकिन 24 घंटे में ही मौसम बदल गया। रविवार को दमोह, भोपाल, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, रीवा, सागर, सतना, सीधी, उमरिया, धार, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, शाजापुर और उज्जैन में तापमान 30 डिग्री से ज्यादा ही रहा। वहीं, बैतूल, गुना, पचमढ़ी, रायसेन, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, नौगांव, सिवनी, मलाजखंड में पारा 27 से 29.9 डिग्री के बीच में रहा। प्रदेश के कई शहरों में शनिवार के मुकाबले रविवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी हुई। भोपाल में 1.2 डिग्री, उज्जैन में 1.5 डिग्री, खजुराहो में 1.8 डिग्री, रीवा में 1.6 डिग्री, सतना में 1.4

डिग्री की बढ़ोतरी हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सोमवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा।

रात में 18 डिग्री तक पहुंचा पारा: इधर, शनिवार-रविवार की रात की बात करें, तो कई शहरों में तापमान में बढ़ोतरी हुई। नरसिंहपुर में पारा 18 डिग्री तक पहुंच गया। नर्मदापुरम में 17.7 डिग्री, इंदौर में 17.5 डिग्री, दमोह में 17 डिग्री, सीधी में 17.2 डिग्री, टीकमगढ़, सिवनी में 16 डिग्री, उज्जैन में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचमढ़ी में सबसे कम 10.8 डिग्री तापमान रहा।

अभी तेज ठंड पड़ने की संभावना नहीं: मौसम केंद्र के फोरकास्ट इंचार्ज डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में मिधिली तूफान उठा है। इसके कारण अगले एक हफ्ते तेज ठंड पड़ने की संभावना नहीं है। 24 या 25 नवंबर को उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहुंच रहा है। इसके असर से 26 या 27 नवंबर को कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। खासकर पश्चिमी हिस्से में बारिश होने का अनुमान है। रविवार को दिन और रात दोनों ही पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली है। ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिन और रहेगा। 28 नवंबर के बाद ही सर्दी का असर बढ़ेगा।

सागर के गढ़ाकोटा पहुंचे पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह

सागर। रहली विधानसभा के गढ़ाकोटा में शनिवार शाम हुए बवाल के मामले में रविवार रात पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गढ़ाकोटा पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। जिसके बाद वे रेस्ट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बात कर घटनाक्रम की हकीकत को जाना। इस दौरान उनके साथ रहली विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल और अन्य समर्थक मौजूद थे। देर रात तक वह कांग्रेस प्रत्याशी, जिले के पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा करते रहे।

दरअसल, शनिवार शाम को गढ़ाकोटा के गुंजोरा में चुनावी रंजिश को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। जिसमें जमकर मारपीट हुई। वहीं कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल ने वीडियो जारी कर भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव पर हमला करवाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि था गोपाल भार्गव के गुंडों ने मुझ पर हमला किया है। गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। हमारी कोई सुन नहीं रहा है। जान को खतरा है। हालांकि घटनाक्रम की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मामला शांत कराया था। पुलिस मामले में उपद्रव करने वाले आरोपियों की शिनाख्त कर कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

ज्योति ने कहा- मेरी हत्या हुई तो भार्गव होंगे जिम्मेदार : घटना के बाद ज्योति पटेल ने सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो जारी कर भाजपा प्रत्याशी मंत्री गोपाल भार्गव और उनके बेटे अभिषेक पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने खुद की हत्या की आशंका जाहिर करते हुए कहा कि मेरी हत्या हो जाती है तो भार्गव जिम्मेदार होंगे।

भार्गव बोले-मेरी हत्या की साजिश: उधर, गोपाल भार्गव ने कहा कि हार की निराशा के चलते कुछ लोग गढ़ाकोटा आकर बस्ती के लोगों को आतंकित कर रहे हैं। उनकी गाड़ियों से पुलिस ने हथियार बरामद किए हैं। वे मेरी हत्या की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि मेरी हत्या हो जाएगी तो उपचुनाव हो जाएगा और इन्हें विजय मिल जाएगी। कांग्रेस उम्मीदवार की यहां जमानत जब्त हो सकती है।

विवाद और मारपीट मामले में भाजपा विधायक के पीए सहित छह पर केस दर्ज

खंडवा। मांधाता विधायक के पीए सहित छह लोगों पर जिले की मूंदी थाना पुलिस ने विवाद और मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। मूंदी में भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे पर मतदाताओं को प्रभावित करने और नोट बांटने की बात पर विवाद हुआ था। मामले में भाजपा की शिकायत पर एफएसटी ने कांग्रेस कार्यकर्ता के विरुद्ध आचार संहिता उल्लघंन का प्रकरण दर्ज किया था। वहीं कांग्रेस की शिकायत पर प्रकरण दर्ज नहीं किए जाने से राजनीति गरमा गई थी। इसके चलते घटना के तीस घंटे बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

विदित हो कि मूंदी के वार्ड क्रमांक एक में विधायक नारायण पटेल के निज सचिव (पीए) राघव पांडे सहित पांच लोगों ने कांग्रेसी कार्यकर्ता जय महोदय के साथ मारपीट की थी। इस घटना में पुलिस के रवैए पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने भाजपा के पक्ष में काम करने के आरोप लगाए थे। आरोप था कि मारपीट करने वालो को छोड़कर उल्टे फरियादी के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया गया। इसके बाद कांग्रेस संगठन और प्रत्याशी मैदान में आने पर मामले ने तूल पकड़ा।

शनिवार को गांधी भवन में मांधाता विधानसभा प्रत्याशी उत्तमपाल सिंह व जिला अध्यक्ष अजय ओझा ने पत्रकार वार्ता में जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। सोमवार को राज्यपाल को ज्ञापन देने की बात भी कही है। इस पर पुलिस के आला अधिकारी सक्रिय हो गए और शनिवार रात साढ़े नौ बजे मूंदी थाने में आरोपित राघव पांडे और अन्य पांच लोगों पर मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। बावजूद कांग्रेसी संतुष्ट नहीं हैं। आरोप है कि शासकीय पद पर रहने के बाद राजनीतिक गतिविधियों में लिप्तता आचार संहिता का उल्लघंन है। इस मामले में भी विभागीय कार्रवाई की मांग कांग्रेस प्रत्याशी उत्तमपाल सिंह पुरनी ने की है।

मैनिट का दीक्षा समारोह 25 को होगा, 3159 विद्यार्थियों को उपाधि मिलेगी

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (मैनिट) का 19 वां और 20 वां दीक्षा समारोह 25 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें वर्ष 2022 और 2023 बैच के पासआउट 3159 विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। दीक्षा समारोह में दोनों बैच को मिलाकर यूजी में 34 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान दोनों बैच के 3159 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। मैनिट प्रबंधन ने बताया कि यह कार्यक्रम 25 नवंबर को सुबह 9.30 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक चलेगा। समारोह में मैनिट के कुलपति और कुलसचिव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे।

वर्ष 2022 बैच के दीक्षा समारोह में यूजी में 962 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएंगी। इनमें बीटेक के 849, बीआर्क 76 और बी प्लान के 37 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी। वहीं पीजी में एमबीए के 31, एमसीए 94, एमटेक के 425 व एम प्लान के 34 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। पीजी में 584 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी। इसमें 34 विद्यार्थियों में 17 को स्वर्ण और 17 को रजत पदक मिलेगा। समारोह में 36 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। इस बैच

के 1582 विद्यार्थियों को उपाधि मिलेगी।

वर्ष 2023 बैच के 1577 विद्यार्थीः 2023 बैच के 20वें दीक्षांत में यूजी में बीटेक के 925, बी आर्क 78 और बी प्लान में 39 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी।कुल एक हजार 42 को डिग्री बांटी जाएगी। 34 विद्यार्थियों में से 17 को गोल्ड और 17 को सिल्वर मेडल मिलेगा। वहीं, पीजी में 22 एमबीए, 105 एमसीए, 298 एम टेक, 31 एम प्लान, 15 को एमएससी फिजिक्स और 14 को एमएससी केमिस्ट्री की उपाधि मिलेगी। पीजी में 485 को डिग्री बांटी जाएगी। इसमें 50 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी। इसमें 1577 विद्यार्थियों को डिग्री मिलेगी।

मप्रः कांग्रेस ने गड़बड़ी करने वाले अफसरों के नाम मांगे, प्रत्याशियों से कहा- 30 नवंबर तक भेजें जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों से चुनाव में गड़बड़ी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों केनाम मांगे हैं। कांग्रेस ने रविवार को प्रत्याशियों के नाम भेजे पत्र में कहा है कि मतदान के दिन प्रदेश कांग्रेस के कंट्रोल रूम में कुछ अधिकारी-कर्मचारियों को लेकर नियम विरुद्ध कार्य करने की बात सामने आई थी। जिसमें भाजपा को लाभ पहुंचाने संबंधी शिकायतें मिली थी।

पत्र में लिखा कि आपके विधानसभा क्षेत्र में भी इस तरह का कार्य किया गया है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी का नाम, पद सहित पूरी जानकारी 30 नवंबर तक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भेजें। इससे पहले शनिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी कह चुके हैं कि वह प्रत्याशियों से रिपोर्ट मंगवा रहे हैं कि अधिकारियों का चुनाव में क्या रूख रहा?

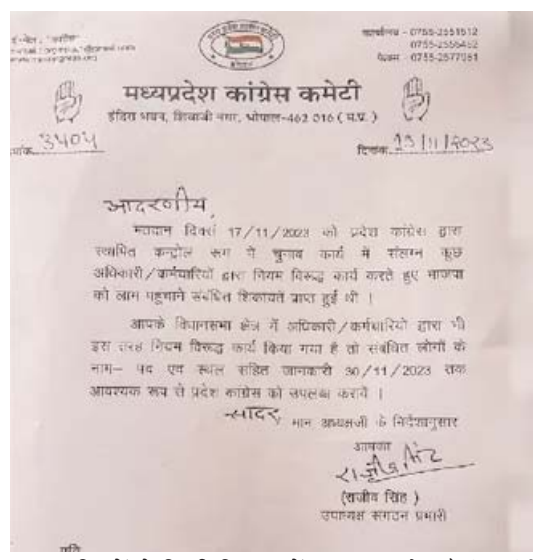

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी
इंदिरा भवन, शिवाजी नगर, भोपाल-462 016 (म.प्र.)
क्रमांक 3404
दिनांक 19/11/2023
आदरणीय,
मतदान दिवस 17/11/2023 को प्रदेश कांग्रेस द्वारा स्थापित कन्ट्रोल रूम में चुनाव कार्य में संलग्न कुछ अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा नियम विरुद्ध कार्य करते हुए भाजपा को लाभ पहुंचाने संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई थीं।
आपके विधानसभा क्षेत्र में अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा भी इस तरह नियम विरुद्ध कार्य किया गया है तो संबंधित लोगों के नाम- पद एवं स्थान सहित जानकारी 30/11/2023 तक आवश्यक रूप से प्रदेश कांग्रेस को उपलब्ध करावें।
सादर, माननीय अध्यक्षजी के निर्देशानुसार
आपका
(राजीव सिंह)
उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी

इन जिलों से मिली शिकायतें

छतरपुरः छतरपुर जिले की राजनगर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के ड्राइवर सलमान खान की हत्या के बाद स्नद्धक्र दर्ज करने में देरी और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर कांग्रेस नाराज है।

भिंडः अटेर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के बूथ एजेंट का घर जलाए जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करने में देरी की। कांग्रेस का आरोप है कि मंत्री अरविंद भदौरिया के कहने पर पुलिस आरोपियों को संरक्षण दे रही है।

सागरः कांग्रेस का आरोप है कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दिन अफसरों ने बीजेपी के उम्मीदवार के प्रेशर में काम किया। रहली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल के वाहनों में तोड़फोड़ की गई। उन पर जानलेवा हमला किया गया। कांग्रेस का आरोप है कि मामले में पुलिस मंत्री गोपाल भार्गव के दबाव में काम कर रही है।

हरदाः टिमरनी विधानसभा में मतदान के दिन एक टीआई ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मतदान स्थल के पास मतदाता पर्ची वितरण के लिए टेबल नहीं लगाने दी।

सतनाः रामपुर बघेलान विधानसभा में मंत्री रामखेलावन पटेल के कहने पर पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही थी।

मध्य प्रदेश के भाजपा के नेता अब राजस्थान में संभालेंगे चुनाव की कमान

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा के नेता अब राजस्थान में चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान में चुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारक बनाए गए हैं। वे राजस्थान में चुनाव प्रचार के लिए जा सकते हैं। हालांकि, अभी केंद्रीय नेतृत्व की ओर से कार्यक्रम निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन मध्य प्रदेश भाजपा की टीम ने राजस्थान के लिए तैयारी कर ली है।

केंद्रीय नेतृत्व की कार्ययोजना के अनुरूप वहां की सुरक्षित सीटों पर केंद्र और मध्य प्रदेश की अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए संचालित योजना का प्रचार- प्रसार कर भाजपा राजस्थान के आरक्षित वर्ग को साधने का प्रयास करेगी।

राजस्थान में चुनाव प्रचार के लिए केवल चार दिन शेष

राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होना है। ऐसे में 23 नवंबर को चुनाव प्रचार थम जाएगा। चुनाव प्रचार के लिए केवल चार दिन शेष है। शिवराज के अलावा मध्य प्रदेश के अन्य नेताओं को राजस्थान भेजा जाएगा। सीमावर्ती जिलों के कार्यकर्ता वहां पहुंच भी चुके हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने की टीम के साथ की मतदान की समीक्षा

मतदान होने के बाद मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने मतदान को लेकर अपने-अपने स्तर पर समीक्षा की। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला पदाधिकारियों से मतदान को लेकर रिपोर्ट ली तो चुनाव प्रबंधन के काम से जुड़े पदाधिकारियों ने विधानसभा क्षेत्रवार मतदान को लेकर रिपोर्ट तैयार की है। उधर, चुनावी भागदौड़ के बाद मुख्यमंत्री परिवार को समय दे रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविवार को प्रदेश कार्यालय पहुंचे और पदाधिकारियों से फीडबैक लिया।

विश्व का पहला ऐसा एआई इनेबल ड्रोन जो पानी में डूबते लोगों को बचाएगा

इंदौर। इंदौर के स्टार्टअप ने एक ऐसा ड्रोन तैयार किया है जो पानी में डूबते हुए पर्यटकों को न केवल डिटेक्ट करेगा बल्कि उनकी जान भी बचाएगा। इसका उपयोग गोवा के सभी 52 बीच, उप्र के घाटों, उत्तराखण्ड और इंडियन नैवी में किया जा सकेगा। मप्र में भी अब चुनाव के बाद नई सरकार बनने के बाद चर्चा की जाएगी और इसका प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। प्रदेश में भी इसका उपयोग हनुमंतिया सहित सभी बड़ी नदियों, तालाबों में आसानी से किया जा सकेगा।

'नव रक्षक' नाम का यह ड्रोन इंदौर की पिसार्व टेक्नोलॉजीस कंपनी ने तैयार किया है। कंपनी के फाउण्डर और चीफ टेक्निकल ऑफिसर अभिषेक मिश्रा व चीफ पीपुल ऑफिसर रोशनी शुक्ला (मिश्रा) का दावा है कि यह भारत ही नहीं बल्कि वर्ल्ड का सबसे पहला आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस इनेबल ड्रोन है।

आमतौर पर दूसरे ड्रोन उड़ते हैं लेकिन इस ड्रोन के साथ ऑन बोर्ड कम्प्यूटर भी है जो साथ में उड़ता है। यह ड्रोन समुद्र में, नदी में, तालाब आदि में कोई डूब रहा है तो ऑटोमैटिक उसे डिटेक्ट कर लेगा। इस दौरान वहां बेस्ड स्टेशन पर अलार्म बजेगा। डिटेक्ट करने के अलावा इसमें एक और सुविधा है कि जब कोई डूबता है तो यह संबंधित के ऊपर जाकर लाइफ सेविंग जैकेट गिरा देगा। ऐसे में डूबता हुआ व्यक्ति उस जैकेट की मदद से करीब एक घंटे तक पानी में आराम से तैर सकता है और उसकी जान बच जाएगी।

न्यूज में नाव पलटते देखी तो क्लिक हुआ आइडियाः रोशनी शुक्ला ने बताया कि कुछ माह पहले टीवी पर एक न्यूज देखी जिसमें उप्र में नदी में नाव को पलटते दिखाया गया था। तब इसमें सवार लोगों को मशक्कत के बाद बचा लिया गया था। इसके बाद से दिमाग में ऐसा ड्रोन तैयार करने का आइडिया आया। इसके साथ ही और स्टडी की तो पता चला कि देश में हर साल 40 हजार लोगों की डूबने के कारण मौत हो जाती है जो चौंकाने वाला आंकड़ा है। न्यूज में भी आए दिन ऐसे हादसे देखने-सुनने को मिलते हैं। इसके बाद तो ड्रोन तैयार करने का फैसला ले लिया।

शिक्षकों ने की उच्च पद पर प्रभार देने की मांग

भोपाल। शिक्षकों ने उच्च पद का प्रभार देने की प्रक्रिया फिर से शुरू करने की मांग की है। इस संबंध में शासकीय शिक्षक संगठन आयुक्त लोक शिक्षण को ज्ञापन सौंपेगा। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि चुनाव आचार संहिता प्रभावी होने के कारण शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने पर रोक लगा दी गई थी, पर अब चुनाव हो चुके हैं। स्कूल शिक्षा विभाग को यह प्रक्रिया फिर शुरू करनी चाहिए। कौशल ने बताया कि उच्च पद का प्रभार देने के लिए शिक्षक संवर्ग की काउंसलिंग भी कर ली गई थी, बस पदस्थापना के आदेश जारी होने थे, उसी समय आचार संहिता प्रभावी हो गई। करीब 8 हजार शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने के आदेश भी जारी हो गए थे, पर कार्यमुक्ति और कार्यभार ग्रहण करने पर रोक लगा दी गई थी। वे कहते हैं कि इस संबंध में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी ज्ञापन सौंपेंगे।